श्रावण शुक्ल पक्ष -14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 51 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
26 अगस्त 2026 बुधवार

आज का मौसम
27.6 अधिकतम
23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पीढ़ी दर पीढ़ी बदलता गया समाज, और ...यह किसी कानून से नहीं हुआ

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

मनु और मनुवाद पर विमर्श
दूसरी कड़ी

समाज में बिगाड़ हुआ है तो सुधार की प्रक्रिया भी अनवरत चलती रही है। लेकिन सामाजिक परिवर्तन हमेशा संसद, सरकार या राजनीतिक आंदोलन के आदेश से नहीं होता। कई बार वह चुपचाप घरों के भीतर, रिश्तों में और रोजमर्रा के व्यवहार में होता है। मेरे अपने परिवार का अनुभव इसकी एक छोटी-सी मिसाल है। मैं ब्राह्मण परिवार में पैदा हुआ। मेरा गोत्र वशिष्ठ है जो मूलतः क्षत्रिय वर्ण के थे । अब मैं खुद को क्या मानूं ? लेकिन मेरे परिवार ने किसी दूसरे वर्ग को अलग नहीं माना। फिर भी यह बदलाव एक झटके में नहीं आया। तीन पीढ़ियों ने इसे अपनी-अपनी गति से जिया।

मेरे दादा के समय में हमारे घर की सामाजिक मर्यादाएं अलग थीं। समाज का कोई व्यक्ति मिलने आता तो उसे घर के भीतर नहीं, बल्कि 'दलान' में बैठाया जाता था। दलान घर का वह बाहरी हिस्सा था जहां बुजुर्ग बैठते थे। मेहमान जिस व्यक्ति से मिलने आया है, उसे वहीं बुलाया जाता और मुलाकात बुजुर्गों की निगाह के सामने होती। मेरे पिता के दौर तक परिस्थितियां बदलीं। घर के उसी बाहरी हिस्से के ऊपर बने अटारीनुमा स्थान में, जिन्हें आज हम दलित कहते हैं, ऐसे लोगों को भीतर बैठाकर भोजन कराया जाने लगा।

आत्मीयता अंततः समाज को ही पैदा करनी पड़ती है

सामाजिक बदलाव का असली चेहरा शायद यही है। कानून जरूरी है। संविधान जरूरी है। डॉ. भीमराव आंबेडकर का संघर्ष और उनके द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकार भारत के सामाजिक परिवर्तन की बुनियादी उपलब्धियां हैं। लेकिन कानून रास्ता खोल सकता है, मनुष्य के भीतर आत्मीयता अंततः समाज को ही पैदा करनी पड़ती है। यही कारण है कि सुधार को केवल राजनीतिक अभियान बना देना कभी-कभी उलटा असर भी पैदा करता है। जब किसी समाज पर बाहर से कोई विचार जबरिया थोपा जाता है और लोगों को अपराधबोध तथा दोषारोपण की भाषा में बांटा जाता है, तो स्वाभाविक परिवर्तन की गति बाधित हो सकती है। स्थायी सुधार वह है जो मनुष्य के व्यवहार का हिस्सा बन जाए। मेरे परिवार में तीन पीढ़ियों में जो बदलाव आया, वह इसी स्वाभाविक सामाजिक विकास का एक उदाहरण है।

फिर मेरा दौर आया...

मैं उन्हीं लोगों के घर जाकर भोजन करने लगा। उनके साथ बैठकर खाना मेरे लिए कोई सामाजिक घोषणा नहीं था। यह धीरे-धीरे बने रिश्ते का स्वाभाविक परिणाम था। पिछले लगभग तीन दशकों से मेरे परिवार में भोजन बनाने वाली महिलाएं दलित समुदाय से आती रही हैं। उन्होंने हमारे घर में खाना बनाया, हमारे बच्चों को पाला, मेरी मां की सेवा की। मेरे पोते का उनसे इतना आत्मीय रिश्ता है कि वह उनके और उनके बच्चों के बिना सहज नहीं रह सकता। हमने उन्हें घर में रहने के लिए जगह दी। उसका किराया नहीं लिया। पानी-बिजली का खर्च भी नहीं लिया। उलटे उनके श्रम का मेहनताना दिया।

हमारे घर में काम करने वाली एक महिला की बेटी की शादी में मेरी पत्नी ने भरपूर सहयोग किया। लंबे समय तक हमारे परिवार से जुड़ी रही उस महिला को हमने सरकारी कर्मचारी जैसी औपचारिक ग्रेच्युटी तो नहीं, लेकिन उम्र के इस पड़ाव पर आर्थिक सुरक्षा देने की जिम्मेदारी जरूर महसूस की। अब वह अपनी सुविधा से आए या न आए, हम एक निश्चित राशि उसे देते हैं। क्या यह कोई राजनीतिक आंदोलन था? नहीं। क्या हमने कभी इसका वोट लिया? नहीं। क्या हमने कभी इसका प्रचार किया? नहीं। यह सिर्फ एक परिवार की कहानी भी नहीं है। देश में ऐसे असंख्य परिवार हैं जहाँ रिश्ते जाति की सीमाओं से आगे निकल चुके हैं। लोग अपने यहां काम करने वालों की बेटियों की शादी में मदद करते हैं, बीमारी में साथ खड़े होते हैं, बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करते हैं और उम्र के बाद भी उन्हें अकेला नहीं छोड़ते।

न्यूज विंडो

लोकसभा सचिवालय ने 20 बागी टीएमसी सांसदों को नोटिस भेजे

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने आज तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजे हैं। सांसदों से टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की अयोग्यता याचिका पर 7 दिन में जवाब मांगा गया है। यह याचिका दल-बदल कानून के तहत दाखिल की गई है। नोटिस 25 अगस्त को जारी किए गए और इनमें बनर्जी की 18 जून की याचिका की कॉपी भी भेजी गई है।

इस्लामाबाद के अस्पताल में आग, 15 नवजातों की गई जान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के एक अस्पताल में आज आग लगने से 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई। हादसा पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल में स्त्री रोग वार्ड की नर्सरी में हुआ। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के वक्त नर्सरी में 16 नवजात बच्चे मौजूद थे। इनमें से सिर्फ एक बच्चे को बचाया जा सका। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर के कंप्रेसर में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग लग गई और तेजी से पूरे वार्ड में फैल गई।

तेलंगानाः सूर्यापेट में तड़के दर्दनाक सड़क हादसा, 6 की मौत

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में आज तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जानकारी के मुताबित कोडाड मंडल के डोराकुंटा में एक प्राइवेट बस ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। इस हादसे में छह यात्रियों की मौत हो गई और लगभग 20 लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। सबसे पहले गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

रूस के गैस प्लांट में आग, 6 चीनी नागरिकों की मौत... 9 लापता

मास्को। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर क्षेत्र में एक गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगने से कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 6 चीनी नागरिक शामिल हैं। हादसे के बाद 9 अन्य चीनी कर्मचारी अब भी लापता बताए जा रहे हैं। प्लांट की प्रेस सर्विस के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है और राहत-बचाव अभियान जारी है। यह हादसा अमूर गैस केमिकल कॉम्प्लेक्स में हुआ, जो चीन की सीमा के पास स्वोबोदनी इलाके के नजदीक स्थित है।

आज का कार्टून

राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव की डायरी के पन्ने सामने आने से हलचल

चंपत राय ने डायरी में लिखा - चढ़ावा चोरी की FIR कराते तो चुनाव पर असर पड़ता

अयोध्या / लखनऊ, एजेंसी

- अखिलेश तक कैसे पहुंची चोरी की बात, हमारे बीच भेदिया कौन
- नृपेंद्र मिश्रा ने टीवी चैनलों को 14 इंटरव्यू किसके इशारे पर दिए
- साधु-संतों की नजर में 'खलनायक' की तरह सामने आए मिश्रा

राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी से चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। डायरी में उन्होंने लिखा है कि चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के तुरंत बाद स्वढ्ढक्रइसलिए नहीं कराई, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि जांच में मामला लंबा खिंच सकता है और इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार चंपत राय ने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। राय ने कहा - मिश्रा ने मीडिया चैनलों को दिए इंटरव्यू में चढ़ावा चोरी को डकैती करार दिया। इससे समाज में गलत संदेश गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण के मामले में मंदिर परिसर के भीतर हुई कार्रवाई को लेकर पूर्व महासचिव चंपत राय की गोपनीय डायरी में कई गंभीर सवाल दर्ज हैं। डायरी पन्ने बिना किसी हस्ताक्षर के बाहर आ रहे हैं। चम्पत राय ने लिखा हैं कि समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव तक घटना की जानकारी पहुंचने के बाद उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि 'हमारे बीच में छिद्र कहां है, कौन भेदिया है?' डायरी में सवाल हैं कि नृपेंद्र मिश्रा जैसे अनुभवी व्यक्ति ने चार दिनों में 14 चैनलों से बातचीत क्यों और किसके इशारे पर की। उन्होंने पिछले 6 साल में मंदिर निर्माण समिति की बैठकों के दौरान व्यवस्थाओं या हिसाब-किताब पर कभी चर्चा नहीं की, तो अब इन पर बोलने का उनको क्या अधिकार है।

डायरी के अनुसार, 7 जून को चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के अगले दिन मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र और नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन अनूप कुमार अयोध्या पहुंचे थे। करीब 2 घंटे तक बातचीत हुई। मैंने, पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव ने घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी। नृपेंद्र मिश्र ने पूछा कि पुलिस में रिपोर्ट क्यों नहीं कराई गई। इस पर मैंने उनसे कहा कि अगर पुलिस को मामला सौंप दिया जाता तो पूछताछ और कार्रवाई के सभी अधिकार पुलिस के पास चले जाते। उसका क्या परिणाम होगा, यह कहना मुश्किल था।

संतों को भी दी गई जानकारी

राय ने लिखा हैं - बैठक के बाद मैंने कई संतों से फोन पर बात की। संतों को अयोध्या भी बुलाया। मंदिर परिसर के शेषावतार मंदिर में उनके साथ बैठक की। खबरों को निराधार बताते हुए संतों से उन पर ध्यान नहीं देने की अपील की। संतों ने उनकी बात स्वीकार की। हालांकि, बैठक में कौन-कौन से संत शामिल हुए थे, इसका जिक्र नहीं है। चंपत राय ने लिखा कि मामला सामने आने के बाद 3 दिनों तक 11-11 घंटे बैठकर चढ़ावा चोरी का काफी हिस्सा मैंने वापस प्राप्त किया।

भैयाजी जोशी से मिलने पहुंचा

डायरी के अनुसार राय ने कहा, 9 जून को मेरी तबीयत खराब थी। इसके बावजूद मैं 10 घंटे मंदिर परिसर के पीएफसी भवन में बैठा रहा। 10 जून को मैं बिस्तर से उठ नहीं पा रहा था। उसी रात गोपाल राव को भैयाजी जोशी का फोन आया। मुझे, अनिल और गोपाल को 11 जून की शाम तक लखनऊ पहुंचने के लिए कहा गया। मैंने कहा कि मैं भी लखनऊ जाऊंगा, ताकि मामले से जुड़ी सभी बातें सही रूप में सामने आ सकें। हम तीनों लखनऊ गए। भैयाजी जोशी से मुलाकात की।

नृपेंद्र मिश्रा ने अचानक टिकट कैंसिल किया

चंपत राय ने लिखा कि नृपेंद्र मिश्र को 6 जुलाई की ट्रस्ट बैठक के लिए अयोध्या आना था। प्लेन का टिकट भी बुक हो चुका था। उन्हें रिसीव करने के लिए ड्राइवर राधेश्याम को भी सूचना दी गई थी, लेकिन 4 जुलाई को अचानक उनकी यात्रा रद्द होने का संदेश आया। वह बैठक में नहीं पहुंचे। चंपत राय ने लिखा कि नृपेंद्र क्यों नहीं आए, यह भी सवाल है। नृपेंद्र मिश्र के मीडिया में दिए बयानों का भी जिक्र हैं। शुरुआत में उन्होंने कहा- उनका दायित्व मंदिर निर्माण तक सीमित है, लेकिन बाद में उनके बयानों में बदलाव आया। 23 जून के बाद नृपेंद्र मिश्र के बयान आने बंद हो गए। इसका कारण तलाशना होगा। 14 जुलाई को मैंने अनूप मित्तल से 2 घंटे तक मुलाकात की। मैंने उनसे कहा कि संत मुझसे पूछ रहे थे कि क्या नृपेंद्र मिश्र खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। संत के सवाल का मेरे पास कोई जवाब नहीं था।

मुख्यमंत्री मोहन यादव हो रहे हैं शामिल

मालनपुर में गोदरेज की नई यूनिट की शुरुआत आज रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

भोपाल / भिंड। जिले के के मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गॉदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की विस्तारित चौथी निर्माण इकाई का शुभारंभ कर रहे हैं। इस पर 450 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। इससे 2,250 से ज्यादा नए रोजगार के अवसर मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी में नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति प्रमाण-पत्र भी वितरित किये जाएंगे।

गोदरेज की इस यूनिट में 10 मीट्रिक टन प्रति घंटे की क्षमता वाला निरंतर सैपोनिफिकेशन संयंत्र लगाया जा रहा है। इसके साथ प्रति मिनट 217 बंडल की क्षमता वाली स्वचालित पैकेजिंग प्रणाली भी स्थापित होगी। विस्तार के बाद संयंत्र में हर साल 42 करोड़ हेयर कलर सैशे, 14 करोड़ मच्छर निरोधक उत्पाद और 10 करोड़ एयर फ्रेशनर सैशे बनाने की क्षमता होगी। हेयर क्रीम उत्पादन की क्षमता 7,300 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। गॉदरेज का मालनपुर संयंत्र वर्ष 1991 से संचालित है। 65 एकड़ में फैले इस संयंत्र में अब तक करीब 850 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। वर्तमान में यहां हर साल 1.50 लाख मीट्रिक टन साबुन नूडल्स और 70 हजार मीट्रिक टन टॉयलेट साबुन का उत्पादन होता है। विस्तार से भिंड और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर की उम्मीद जताई जा रही है।

भोपाल में आज से तेज बारिश का अनुमान

काशी में 84 घाट डूबे, 5 हजार दुकानें बंद

लखनऊ/भोपाल। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से 84 घाट डूब गए हैं। घाट के किनारे स्थित करीब 5 हजार दुकानें बंद करनी पड़ीं। बिहार के बेगूसराय में गंगा उफान पर है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 50 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

इधर, एक सप्ताह तक पूर्वी हिस्से को तरबतर करने वाला मानसून अब उत्तरी, पश्चिमी और मध्य हिस्से में

एक्टिव होगा। अगले 3 से 4 दिन तक भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में तेज बारिश होने का अनुमान है।

भारतीयों पर भी होगा असर

यूएस ने वीजा अपॉइंटमेंट पर लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने वीजा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है, जिसका सीधा असर भारतीय स्टूडेंट-वर्कर्स पर पड़ने वाला है। ट्रंप सरकार ने दुनियाभर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में इमिग्रेंट वीजा अपॉइंटमेंट पर रोक लगा दी है या उनका समय बदल दिया है। रोक इसलिए लगाई है, ताकि कॉन्सुलर अधिकारियों को इन-डेप्थ ट्रेनिंग दिया जा सके। ये ट्रेनिंग ऐसे आवेदकों की पहचान करने पर केंद्रित होगी, जो अमेरिकी सार्वजनिक लाभों पर निर्भर हो

सकते हैं। आसान भाषा में कहें तो कॉन्सुलर अधिकारियों को ऐसी ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे उन लोगों की पहचान कर सकें, जो अमेरिका में आने के बाद सीधे उसके सरकारी लाभ पर निर्भर हो सकते हैं।

मेट्रो एंकर | सुबह 8 बजकर 4 मिनट से 11 बजकर 22 मिनट तक रहेगी ग्रहण की अवधि

रक्षाबंधन पर चंद्रग्रहण... भारत में सूतक नहीं, मुहूर्त के अनुसार बंधेगी राखी

भोपाल / उज्जैन, दोपहर मेट्रो

आगामी 28 अगस्त शुक्रवार को रक्षाबंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। यह पर्व हर वर्ष सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है लेकिन इस बार भाई-बहन के पावन पर्व पर चंद्र ग्रहण का साया भी रहने वाला है। यह साल 2026 का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण है। ऐसे में लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल है कि क्या इस ग्रहण का असर रक्षाबंधन और राखी बांधने की परंपरा पर पड़ेगा? क्या इस दिन सूतक काल मान्य होगा और क्या बहनें अपने भाइयों को राखी बांध सकेंगी?

आंशिक चंद्र ग्रहण सुबह 8 बजकर 4 मिनट पर शुरू होगा और इसका समापन सुबह 11 बजकर 22 मिनट पर होगा। यानी ग्रहण की कुल अवधि करीब 3 घंटे 18 मिनट रहने वाली है। भारत में रहने वाले लोगों के लिए राहत वाली बात यह है कि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब ग्रहण किसी स्थान पर दिखाई नहीं देता, तो वहां सामान्यतः ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं माना जाता। इसलिए रक्षाबंधन के पर्व पर ग्रहण के कारण किसी तरह की रोक नहीं होगी। राखी बांधने को लेकर स्थानीय पंचांग में दिए गए शुभ मुहूर्त का पालन किया जा सकता है।

चंद्र ग्रहण भारत के अलावा दुनिया के कई हिस्सों में दिखाई देने की संभावना बताई गई है। इनमें अफ्रीका के ज्यादातर हिस्से, उत्तर और दक्षिण अमेरिका, यूरोप तथा दक्षिण-पश्चिम एशिया शामिल हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान, पाकिस्तान, इराक, ईरान, सऊदी अरब और शारजाह समेत कुछ अन्य क्षेत्रों में भी ग्रहण देखा जा सकेगा। हिंद, प्रशांत और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों से भी इसकी दृश्यता बताई गई है।

ज्योतिष की दृष्टि से महत्वपूर्ण

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, यह ग्रहण कुंभ राशि और शतभिषा नक्षत्र में लगेगा और सिंह-कुंभ अक्ष पर होगा, जिसमें सूर्य सिंह राशि और चंद्रमा कुंभ राशि में स्थित रहेगा। शतभिषा नक्षत्र का संबंध राहु से माना जाता है, इसलिए ज्योतिष की दृष्टि से भी इस ग्रहण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ग्रहण अवधि में बिना किसी डर के राखी बांधी जा सकती है। सूतक ना होने की वजह से मंदिर खुले रहेंगे, पूजा-पाठ जारी रहेगा, और भोजन या गर्भवती महिलाओं के लिए किसी भी तरह का नियम मानने की आवश्यकता नहीं है।

लोगों ने कहा-यदि समय रहते नहीं हुई सफाई तो शहर की सुंदरता बढ़ाने वाला हमारा तालाब बर्बाद हो जाएगा

बड़ी झील की खूबसूरती पर जलकुंभी का दाग, निगम की अनदेखी से नाव चलाना मुश्किल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की शान में चार चांद लगाने वाली बड़ी झील जलकुंभी की समस्या से जूझ रही है। शीतल दास की बगिया और राजा भोज सेतु के आसपास झील के पानी में जगह-जगह जलकुंभी का जमाव लगातार बढ़ रहा है। इसके बाद भी नगर निगम के जिम्मेदारों को यह नहीं दिख रहा है। निगम की इस लापरवाही से झील में नाव संचालन में भी परेशानी हो रही है। ऐसे में वे सैलानियों को झील में नौका विहार कराने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बड़ी झील भोपाल की पहचान है और इसकी सुंदरता को बनाए रखना नगर निगम की जिम्मेदारी है। समय रहते सफाई नहीं की गई तो समस्या और गंभीर हो सकती है। जलकुंभी के बढ़ते फैलाव से झील का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है। जलीय जीवों को भी खतरा है।

नागरिकों ने की तत्काल सफाई की मांग

लोगों ने निगम से मांग की है कि शीतल दास की बगिया, राजा भोज सेतु और झील के अन्य प्रभावित हिस्सों से तत्काल जलकुंभी हटाने का अभियान चलाएं। नियमित निगरानी भी हो, ताकि ऐतिहासिक झील की सुदंरता बरकरार रहे।

जलकुंभी से इतना नुकसान

जलकुंभी से पानी की सतह ढंक जाती है। इससे सूर्य की रोशनी पानी के अंदर कम पहुंचती है। ऑक्सीजन की कमी होने से मछलियों और अन्य जलीय जीवों पर बुरा असर पड़ सकता है। मच्छरों और अन्य कीटों के पनपने के लिए वातावरण बन सकता है। नाव संचालन और जल परिवहन में बाधा आती है।

कोलार में बीएमएस छात्रा से सीनियर ने किया दुष्कर्म, केस दर्ज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र में बीएमएस छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार कोलार क्षेत्र में रहने वाली युवती बीएमएस की छात्रा है। कॉलेज में उसकी पहचान सीनियर छात्र से हुई थी। 14 जुलाई को आरोपी ने नोट्स देने के बहाने कैफे में बुलाया। वहां खाने-पीने के बाद उसे चक्कर आने लगे। इसी का फायदा उठाकर आरोपी कमरे पर ले गया। वहां उसने दुष्कर्म किया। हाल ही में छात्रा की तबीयत बिगड़ी और जांच में छात्रों को प्रेग्नेंसी का पता चला तो मामला सामने आया।

किस्त के विवाद में कारोबारी के घर में घुसकर पत्थर से हमला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मिसरोद में ट्रक की किस्त के विवाद में ट्रांसपोर्ट कारोबारी अशोक तिवारी और पत्नी रजनी पर घर में घुसकर उसी के पार्टनर रहस बिहारी चतुर्वेदी ने हमला कर दिया। घायल कारोबारी अस्पताल में भर्ती है। पअशोक ने 2023 में रहस बिहारी चतुर्वेदी के पार्टनरशिप में ट्रक खरीदा। एक साल बाद चतुर्वेदी ने ट्रक की किस्तें बंद की तो तिवारी ने भरीं। उनका दावा है कि उसने चतुर्वेदी के हिस्से के 5.5 लाख रुपए जमा किए। वे चतुर्वेदी से यह मांग रहे थे। चतुर्वेदी कहते हैं, वे पार्टनशिप में काम नहीं करना चाहते, इसलिए पहले जमा किए रुपए मांगे।

तालाब की क्षमता 1666.80 फीट, लगातार बारिश से 1665.60 फीट तक पानी

बादलों! थोड़ा और बरसो, छलकेगा बड़ा तालाब, अभी सवा फीट कम पानी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

15 दिन पहले तक बारिश के लिए तरस रहे शहर को अब राहत मिली है। शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले बड़े तालाब का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अब यह फुल टैंक लेवल (एफटीएल) 1666.80 फीट के करीब 1665.60 फीट तक पहुंच गया है। अब तालाब को सिर्फ सवा फीट पानी की जरूरत है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो अभी बारिश का दौर जारी रहेगा।

ऐसे में तालाब पूरी तरह भर जाएगा। तालाब भरने के बाद भदभदा डैम और फिर कलियासोत डैम के गेट भी खोले जाएंगे। पिछले साल अगस्त में ही तीन बार भदभदा डैम के गेट खोले गए थे। इनमें से 7 गेट खुल चुके थे। लेकिन बारिश के इस सीजन में अब तक एक भी बार भदभदा और कलियासोत डैम के गेट नहीं खोले जा सके हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून के शुरुआती एक माह में भोपाल से बादलों के रूठे रहने से ऐसा हुआ। अब शहरवासियों को उम्मीद है कि बारिश ऐसे ही होती रही तो जल्द ही भदभदा डैम के गेट खुलेंगे।

राहत की बूंदें...शहर का तापमान 2.1 डिग्री गिरा, अभी चार दिन तक झमाझम

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मौसम बादल-बारिश का बना हुआ है। पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर एक सर्कुलेशन सक्रिय होने से अगले चार दिन तक भोपाल में बारिश का दौर जारी रह सकता है। हालांकि बादलों की अठखेलियां भी जारी रह सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस बीच भोपाल में रिमझिम और एक से दो दौर तेज बारिश के आने की संभावना है।

रात में 23.4 डिग्री पर पहुंचा पारा

दो दिन से जारी बारिश से शहर में मंगलवार को दिन में पारा 2.1 डिग्री गिरा। अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। वहीं, रात में आधा डिग्री बढ़कर 23.4 डिग्री रहा। यानी, रात और दिन के तापमान में करीब 4 डिग्री का अंतर रहा। तापमान में औसतन डेढ़ डिग्री की कमी आने से उमस से भी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, आज भोपाल में मध्यम से हल्की बारिश होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार पूर्वी मप्र पर सर्कुलेशन सक्रिय है, जिससे तीन-चार दिन बारिश का ऐसा ही दौर रहेगा।

भोपाल में 2006 में अगस्त में 35 इंच बारिश का रिकॉर्ड

भोपाल में अगस्त में मानसून जमकर बरसता है। इस महीने राजधानी में औसत साढ़े 35 इंच तक बारिश हो चुकी है। इतनी ही 2006 में हुई थी। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश करीब 12 इंच 14 अगस्त 2006 को हुई थी। पिछले सालों की बात करें तो 2015 और 2022 में 30 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। भोपाल में इस महीने औसत 14 दिन बारिश होती है। इस दौरान 13 दिन तक पानी गिर जाता है। जुलाई जैसे ही सिस्टम एक्टिव होते हैं।

शहर में 10 साल में सबसे ज्यादा बारिश 2022 में

साल:	बारिश
2016	20.93
2017	4.96
2018	10.41
2019	15.34
2020	24.23
2021	9.27
2022	30.24
2023	4.37
2024	19.61
2025	5.00

बारिश का आंकड़ा इंच में।

सीलिंग के विरोध में उतरे व्यापारी

व्यापारियों ने गांधी प्रतिमा के सामने की प्रार्थना, राम धुन गाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आवासीय क्षेत्रों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर नगर निगम द्वारा की जा रही सीलिंग की कार्रवाई के स्थायी समाधान के लिए भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने व्यापारियों के हित और समस्या के स्थाई समाधान के लिए मिंटो हॉल स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रार्थना सभा की। सभी ने राम धुन भी गाए। व्यापारियों ने अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान हाथों में तख्तियों थामीं। इन पर लिखा था विकास भी जरूरी-व्यापार भी जरूरी, मास्टर प्लान लागू हो, व्यापार बढ़े, रोजगार बढ़े।

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष गोविंद गोयल ने कहा, इसमें भोपाल व्यापारी महासंघ सहित कई व्यापारिक संगठन शामिल हुए। इसके लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर दखल देने का अनुरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद हो रही कार्रवाई

21 साल से बिना मास्टर प्लान के बढ़ रहे शहर में रहवासी क्षेत्रों में दुकानें खुल गई हैं। इससे रहवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासी संघ ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती की। नगर निगम को तत्काल सभी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में निगम दुकानदारों को लगातार नोटिस थमा रहा है। सीलिंग की कार्रवाई भी कर रहा है।

फरियादी बोला-पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की

कजलीखेड़ा में आपसी रंजिश में आधी रात दो बदमाशों ने चलाई गोलियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार रात 3 बजे दो बदमाशों ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें वे फायरिंग करते दिख रहे हैं। वारदात के बाद लोगों में डर का माहौल है। फायरिंग के बाद फरियादी अजय बैरागी ने पुलिस से शिकायत की है। उसने कहा है, कजलीखेड़ा पुलिस ने उसकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने के बजाय उसे लौटा दिया। हालांकि, थाना प्रभारी पल्लवी पांडे ने आरोपों को खारिज किया है। थाना प्रभारी के मुताबिक वारदात का आरोप बैरागढ़ चीचली निवासी जीतू यादव पर है। दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश है। पुलिस ने फायरिंग के वीडियो के आधार पर जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान की जा रही है।

हरियाली महोत्सव में अपेक्षा श्रीवास्तव बनीं सावन क्वीन, पारूल और आकांक्षा रनरअप

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कायस्थ मंडल नगरीय क्षेत्र वेलफेयर सोसाइटी, होशंगाबाद रोड ने हरियाली नंदन पैलेस में हरियाली महोत्सव 2026-सावन सुंदरी का कार्यक्रम का आयोजन किया। भगवान चित्रगुप्त और शिव की आराधना और सामूहिक आरती से शुरुआत की गई। इसके बाद मंडल संरक्षक रिटायर्ड आईएएस शशि केसी श्रीवास्तव का महिलाओं ने स्वागत किया। आयोजन में सावन सुंदरी प्रतियोगिता के साथ सावन से जुड़े नृत्य-गीत व क्विज भी हुए। सावन क्वीन अपेक्षा श्रीवास्तव, प्रथम रनर अप पारूल सिंह श्रीवास्तव और द्वितीय रनर अप का पुरस्कार आकांक्षा श्रीवास्तव को दिया गा।

इस मौके पर महिला पदाधिकारी किरण-आलोक संजर, कुसुम-आरबी सक्सेना, साधना-डीके श्रीवास्तव, अनु-सुधीर श्रीवास्तव, लता-डीके श्रीवास्तव, वंदना-अभय प्रधान, नीना-नरेश सक्सेना, अमृता-मनीष भटनागर, डॉ. कीर्ति-धर्मेश खरे, मंजूषा-मनीष खरे, आशा-डीके श्रीवास्तव, वंदना-शेखर वर्मा, निवेदिता श्रीवास्तव, मनीषा श्रीवास्तव, नीरा-एमके भटनागर और अरुणा खरे मौजूद रहीं। अजय श्रीवास्तव नीलू, आर.बी.सक्सेना, अभय प्रधान, एम.के.भटनागर, सुधीर श्रीवास्तव समेत 100 परिवार आयोजन में शामिल हुए।

कोर्ट में समय पर नहीं पेश किए जवाब

बिल्डिंग परमिशन मामलों में जवाब नहीं दिया, निगम के 3 कर्मी सस्पेंड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में हाईकोर्ट में विचाराधीन मामलों में गंभीर लापरवाही सामने आई है। न्यायालय में भवन अनुज्ञा से जुड़े प्रकरणों में निगम का पक्ष समय पर पेश नहीं किए जाने पर आयुक्त संस्कृति जैन ने दो उपयंत्रियों और एक सहायक ग्रेड-1 कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया है।

निगम के जारी आदेशों के मुताबिक देवेश गढ़वाल, उपयंत्री को जोन 9 एवं 11 में प्रभारी भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक का दायित्व सौंपा था। समीक्षा में पाया गया कि हाईकोर्ट में भवन अनुज्ञा के प्रकरणों में उन्होंने जवाब-दावा प्रस्तुत नहीं किया। इसी तरह कविता सोनी, उपयंत्री को जोन-7 एवं 8 में प्रभारी भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने भी हाईकोर्ट में भवन अनुज्ञा से जुड़े प्रकरणों में जवाब-दावा प्रस्तुत नहीं किया। राकेश लहरिया, सहायक ग्रेड-1 पर न्यायालयीन प्रकरणों से संबंधित नस्तियां और अभिलेख संबंधित उपयंत्री को उपलब्ध नहीं कराने का आरोप है। तीनों निलंबन आदेश 25 अगस्त 2026 को हुई समीक्षा के बाद जारी किए गए।

मेट्रो एंकर | **बदली ट्रैफिक व्यवस्था, चल समारोह मार्ग पर भारी वाहन और बसें नहीं चलेंगी**

मिलाद-उन-नबी पर दो बड़े जुलूस, रात 8 बजे तक कई रूट किए गए डायवर्ट, घर से निकलना हो तो पहले से तय कर लें वैकल्पिक रास्ते

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मिलाद-उन-नबी पर आज भोपाल में दो बड़े चल समारोह निकलेंगे। पहला जुलूस मंगलवारा क्षेत्र से और दूसरा अशोका गार्डन से निकलेगा। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को देखते हुए यातायात पुलिस ने दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक के लिए कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट करने का प्लान जारी किया है। चल समारोह के दौरान संबंधित मार्गों पर मध्यम एवं भारी मालवाहक वाहनों के साथ सिटी बसों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से गुजरना होगा।

ट्रैफिक पुलिस ने अपील की है कि आज पुराने शहर, मंगलवारा, बुधवारा, पीरगेट, अशोका गार्डन, प्रभात चौराहा और सुभाष नगर क्षेत्र की ओर जाने से पहले वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। डायवर्जन व्यवस्था का पालन करें।

मंगलवारा: ये डायवर्जन

मंगलवारा क्षेत्र में दोपहर 1 से रात 8 बजे तक डायवर्जन। चल समारोह छावनी भारत टॉकीज से शुरू होगा। सेंट्रल लाइब्रेरी, इतवारा, बड़े मास्टर तिराहा-बुधवारा, मोती मस्जिद, पीरगेट से इमामी गेट पर खत्म।

यहां बदलेगा ट्रैफिक

परिहार चौराहा: ट्रैफिक आईटीआई की ओर डायवर्ट।

प्रभात चौराहा: वाहन अशोका गार्डन व पंजाब बाग की ओर से निकलेंगे।

सुभाष नगर ओवरब्रिज: जिंसी, एसबीआई तिराहा और प्रभात चौराहे की ओर से आने वाले वाहनों को तलैया, लिली टॉकीज, कंट्रोल रूम की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

यहां भी रूट डायवर्ट

- भारत टॉकीज से सेंट्रल लाइब्रेरी
- काली मंदिर तलैया से बुधवारा-कोतवाली, मोती मस्जिद से बुधवारा
- रॉयल मार्केट से पीरगेट की ओर।

अशोका गार्डन में दोपहर 2 से रात 8 बजे तक बदलाव: अशोका गार्डन से निकलने वाला चल समारोह पुष्प नगर पुलिया, ऐशबाग रोड, सोनिया कॉलोनी, प्रभात चौराहा और सुभाष नगर ओवरब्रिज होते हुए जिंसी चौराहे पर समाप्त होगा।

इन वैकल्पिक रास्तों से निकलें

- रॉयल मार्केट, तीन मोहरा, भोपाल टॉकीज और हमीदिया रोड से होकर वाहन चालक आवागमन कर सकेंगे।
- मोती मस्जिद, रेतघाट, कमला पार्क और पॉलीटेक्निक चौराहे से नए शहर में जाएं।
- न्यू मार्केट और नए शहर से पुराने शहर की ओर आने वाले वाहन कमला पार्क, रेतघाट, सदर मंजिल, शाहजहांनाबाद होते हुए स्टेशन की ओर जा सकेंगे।
- नादरा की ओर से आने वाले वाहन अल्पना तिराहा, संगम तिराहा, सब्जी मंडी ओवरब्रिज और 80 फीट रोड होकर नए शहर की ओर जा सकेंगे।

अमृत 2.0 के तहत नई व्यवस्था

कोलार डैम पर 6-6 नए पंप, जलस्रोतों पर ज्यादा ट्रीटमेंट से बढ़ेगी सप्लाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोलार डैम पर अमृत 2.0 के तहत 6 नए रॉ वाटर पंप और 6 क्लियर वाटर पम्पों विधिवत शुभारंभ किया गया। इस दौरान महापौर मालती राय, एमआईसी सदस्य व भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग आदि उपस्थित रहे। निगम अफसरों का कहना है कि इन पंपों के शुरू होने से जलस्रोतों से ट्रीटमेंट तक पानी लाने में आसानी होगी। ज्यादा पानी ट्रीट किया जाएगा। इससे शहर में सप्लाई व्यवस्था और बेहतर होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा- संतों, प्रशासन और समाज की सहभागिता से बनेगा ऐतिहासिक महापर्व

सिंहस्थ की भव्य तैयारी, 2028 में दिखेगा आस्था और विकास का विराट संगम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2028 को भव्य और यादगार बनाने की तैयारियां अब तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बाबा महाकाल की नगरी में श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं और देश-विदेश से आने वाले अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकास और व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि उज्जैन की सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपरा और जनभागीदारी का विराट उत्सव होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महापर्व की सफलता के लिए संत समाज, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को अपनी-अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी से निभानी होगी। सभी के सहयोग से ऐसा आयोजन किया जाएगा, जिसकी भव्यता लंबे समय तक याद रखी जाए।

डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और साधु-संतों के लिए सुविधाजनक और व्यवस्थित व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं। उज्जैन में सड़क, आवागमन, ठहरने, स्वच्छता और अन्य आवश्यक सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय किसानों और नागरिकों से भी आयोजन में सहयोग की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसानों के पास भूमि उपलब्ध है, वे वहां स्कूल, अस्पताल और छात्रावास जैसी उपयोगी सुविधाएं विकसित कर सकते हैं। ऐसी पहल में सरकार आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी।

उज्जैन के विकास को मिल रही नई दिशा- मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन की पहचान केवल महाकाल मंदिर तक सीमित नहीं है। शहर की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा गौरव पूरे देश से जुड़ा है। सिंहस्थ की तैयारियों के साथ उज्जैन के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों का भी विकास किया जाएगा, ताकि शहर आने वाले श्रद्धालुओं को व्यापक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव मिल सके।

संत समाज ने तैयारियों को बताया ऐतिहासिक राज्यसभा सांसद संत बालयोगी श्री उमेश नाथ महाराज ने कहा कि सिंहस्थ करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा महापर्व है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पूरा ध्यान आयोजन को भव्य स्वरूप देने पर है। स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत श्री रामेश्वरदास महाराज ने भी सिंहस्थ-2028 की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि उज्जैन में किए जा रहे कार्य आने वाले आयोजन को नई ऊंचाई देंगे। सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि सिंहस्थ सनातन परंपरा का विश्व प्रसिद्ध आयोजन है और इसकी तैयारियां भी उसी स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाकाल लोक के निर्माण के बाद उज्जैन की पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत हुई है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संभाला पदभार

सिंहस्थ मेला कार्यालय परिसर में आयोजित समारोह में श्री जगदीश अग्रवाल ने संत-महंतों की मौजूदगी में भगवान महाकाल का पूजन-अर्चन किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण किया। कार्यक्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और संत-महात्मा मौजूद रहे। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने सिंहस्थ की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने तथा बेहतर समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया। सिंहस्थ-2028 उज्जैन के लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शहर के समग्र विकास का भी बड़ा अवसर है। सरकार की तैयारियों में आधुनिक सुविधाओं और धार्मिक परंपराओं के बीच संतुलन बनाने पर जोर है। आने वाले समय में उज्जैन में होने वाले विकास कार्य महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव देने के साथ शहर की नई तस्वीर भी पेश करेंगे।

नए मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम के तहत बनी व्यवस्था

अफसर ने अटकाई फाइल, तो छिन सकती है पावर, जेब से जुर्माना कटने का भी प्रावधान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में अब कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी उद्योग या व्यापार से जुड़ी फाइल को दबाकर नहीं बैठ सकेगा। एमपी सरकार के नए मध्यप्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 के तहत एक ऐसी डिजिटल व्यवस्था लागू की जा रही है, जो सुस्त अधिकारियों के हाथ से उनकी पावर छीन सकती है। अगर किसी अफसर ने तय समय में फाइल क्लियर नहीं की, तो कंप्यूटर सिस्टम उस फाइल को खुद-ब-खुद उसके सीनियर अफसर के पास भेज देगा और लेटलतीफी करने वाले अफसर की जेब से जुर्माना भी कट सकता है।

अब तक व्यवस्था यह थी कि यदि किसी व्यापारी या निवेशक को अपना काम शुरू करना होता था, तो उसे एनओसी या मंजूरी के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। फाइल महीनों तक एक ही टेबल पर अटकी रहती थी। नए कानून ने इस टेबल-टेबल के खेल को पूरी तरह खत्म कर दिया है। सरकार ने इस कानून के जरिए पूरी व्यवस्था को ऑनलाइन एकल खिड़की प्रणाली (सिंगल विंडो सिस्टम) पर शिफ्ट कर दिया है। अब किसी भी विभाग के अधिकारी के पास फाइल को अटकाने का कोई कानूनी या तकनीकी बहाना नहीं बचेगा। इस नए कानून की सबसे बड़ी ताकत इसकी समय-सीमा यानी डेडलाइन और स्वतः ट्रांसफर होने की तकनीक है, जिसने नौकरशाही की मनमानी पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

जब सिस्टम खुद कम करेगा अफसर की ताकत

इस कानून का सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक %ऑटो एस्कलेशन% का नियम है। मान लीजिए किसी विभाग के छोटे या मध्यम स्तर के अधिकारी को 15 दिनों के भीतर आपकी फाइल पर फैसला लेना है। अगर वह 15 दिनों तक फाइल पर कुंडली मारकर बैठा रहता है, तो 16वें दिन सुबह वह फाइल उसके कंप्यूटर से अपने आप (ऑटोमेटिकली) गायब हो जाएगी। वह फाइल सीधे उसके ऊपर के हायर अथॉरिटी (वरिष्ठ अधिकारी) के डिजिटल डेस्क पर पहुंच जाएगी। यानी फाइल रोकने वाले अफसर के पास से उस फाइल को मंजूर या नामंजूर करने का अधिकार नहीं रहेगा। साथ ही लापरवाही रिकॉर्ड में भी दर्ज हो जाएगी।

सिर्फ एक बार सवाल का नियम

अक्सर देखा जाता है कि अधिकारी एक कमी आज बताते हैं, और जब व्यापारी उसे ठीक कर देता है, तो चार दिन बाद दूसरी कमी निकाल देते हैं। नए कानून की धारा 12 ने इस पर ताला लगा दिया है। अब कोई भी सक्षम अधिकारी आवेदन मिलने के केवल 7 दिनों के भीतर और सिर्फ एक ही बार कोई अतिरिक्त जानकारी या सवाल पूछ सकता है। इसके बाद उसे तय समय में फाइल पास करनी ही होगी, वह बार-बार नए ऑब्जेक्शन नहीं उठा सकता। नए कानून की धारा 20 के तहत, यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी तय समय-सीमा के भीतर किसी मंजूरी या आवेदन का निपटारा करने में फेल रहता है, तो उसे भारी खामियाजा भुगतना होगा। ऐसे लापरवाह अधिकारी पर मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2010 के तहत व्यक्तिगत रूप से जुर्माना (पेनाल्टी) लगाया जाएगा। यह जुर्माना सरकारी खाते से नहीं, बल्कि सीधे उस अधिकारी की जेब (सैलरी) से कटेगा, जिससे अधिकारियों में जवाबदेही तय होगी।

दंडित करने का प्रावधान

गजट के अध्याय-आठ की धारा 20 में समय पर काम न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को दंडित करने का प्रावधान है। मूल प्रावधान- गजट के अनुसार, जहां राज्य नोडल एजेंसी का कोई सक्षम प्राधिकारी, अधिकारी अथवा कर्मचारी, समय-सीमा के भीतर किसी स्वीकृति पर कार्यवाही अथवा निपटान करने में विफल रहता है, वहां ऐसा प्राधिकारी, अधिकारी, कर्मचारी, मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2010 (क्रमांक 24 सन् 2010) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार शास्ति के अधिरोपण का दायी होगा। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत यह कड़ा नियम है कि यदि कोई अधिकारी तय समय में सेवा या मंजूरी नहीं देता है, तो उस पर प्रति दिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जाता है। सबसे खास बात यह है कि यह जुर्माना विभाग पर नहीं, बल्कि कसूरवार अधिकारी, कर्मचारी पर व्यक्तिगत रूप से लगाया जाता है और यह राशि सीधे उसकी सैलरी (जेब) से कटती है। इस अधिनियम की धारा 7 के अनुसार, मध्यप्रदेश के सभी सरकारी विभागों (जैसे पर्यावरण, श्रम, ऊर्जा, राजस्व आदि) को अगले 6 महीने के भीतर उद्योगों को दी जाने वाली अपनी मंजूरियों की शक्तियां सीधे राज्य नोडल एजेंसी को सौंपनी होंगी।

5 महीने से अटका है वेतन

प्रदेश के 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी प्रधानमंत्री मोदी को खून से लिखेंगे पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सेवा और स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा संभाल रहे हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन संकट अब आक्रोश में बदलता जा रहा है। कई महीनों से भुगतान नहीं मिलने से परेशान 30 हजार से अधिक आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खून से पत्र लिखने का ऐलान किया है। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार काम लेने के बावजूद उन्हें समय पर मेहनताना नहीं मिल रहा, जिससे उनके परिवार गंभीर आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं।

मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में तैनात कर्मचारियों को संबंधित एजेंसियों की ओर से लंबे समय से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। संघ ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

कर्मचारियों के अनुसार प्रदेश के अलग-अलग जिलों में वेतन भुगतान की स्थिति बेहद खराब है। शहडोल में करीब पांच महीने, सीधी और बुरहानपुर में चार महीने, जबकि बैतूल, सागर और ग्वालियर में करीब तीन महीने से वेतन लंबित बताया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि ठेका एजेंसियों को भुगतान होने के बावजूद कर्मचारियों तक उनका वेतन समय पर नहीं पहुंच रहा। संघ ने एजेंसियों की कार्यप्रणाली की जांच कराने और गड़बड़ी मिलने पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अस्पतालों की व्यवस्था में निभाते हैं अहम भूमिका

सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। इनमें सपोर्ट स्टाफ, डाटा एंट्री ऑपरेटर, वार्ड आया, वार्ड बॉय, ऑक्सीजन टेक्नीशियन, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी और मल्टीस्किल्ड वर्कर शामिल हैं। ये कर्मचारी जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में रोजमर्रा की स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सेवा लेने में नियमितता है, लेकिन वेतन देने के मामले में लगातार देरी की जा रही है। संघ का आरोप है कि श्रम विभाग द्वारा निर्धारित वेतनमान का पूरा लाभ भी लंबे समय से कर्मचारियों को नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि आउटसोर्स व्यवस्था में निजी एजेंसियों की भूमिका के कारण पारदर्शिता और जवाबदेही का संकट पैदा हो गया है।

महिला सुरक्षा पर बड़ा मंथन

दर्द से न्याय तक का सफर होगा आसान, पीड़िता को मिलेगा सम्मान और सहारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला हिंसा के मामलों में न्याय की प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील और पीड़ित-केंद्रित बनाने के लिए मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग और जनसाहस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय रणनीतिक संवाद आयोजित किया गया। 'सर्वाइवर सेन्ट्रिक स्ट्रेटजी एवं जस्टिस' विषय पर हुई एक दिवसीय कार्यशाला में पुलिस, चिकित्सा, विधिक सेवा, बाल संरक्षण और महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने पीड़ित महिलाओं को शिकायत से लेकर न्याय और पुनर्वास तक एकीकृत सहायता उपलब्ध कराने पर विचार किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा कि हिंसा से प्रभावित महिला को केवल किसी मामले की शिकायतकर्ता मानने के बजाय उसकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और जरूरतों को समझना जरूरी है। सुरक्षा, सम्मान, गोपनीयता, मानसिक स्वास्थ्य और कानूनी सहायता के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी सहायता व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि पीड़िता को अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने और बार-बार अपनी पीड़ा दोहराने की स्थिति से बचाया जाए। इसके लिए पुलिस, अस्पताल, विधिक सेवा और सामाजिक संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

साइबर अपराध से निपटने के लिए जागरूकता जरूरी

आयोग की सदस्य साधना स्थापक ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा के विभिन्न स्वरूपों को समझते हुए समाज को इसके विरुद्ध मजबूती से खड़ा होना होगा। उन्होंने महिला स्वावलंबन को सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने महिलाओं के संघर्ष और योगदान से जुड़ी प्रेरक घटनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव भी दिया, ताकि नई पीढ़ी को महिला सशक्तिकरण का व्यापक दृष्टिकोण मिल सके।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में तीन दिन मनेगी जन्माष्टमी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व तीन दिनों तक उत्साह और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार 1 से 3 सितंबर तक स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित नाटक, कृष्ण लीला, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। स्कूलों में भाषण और निबंध प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा भगवद्गीता के ज्ञान और श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों पर विशेष सत्र रखे जाएंगे। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना है।

सांदीपनि स्कूलों में गुरु-शिष्य परंपरा पर जोर

प्रदेश के सांदीपनि स्कूलों में जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम होंगे। यहां गुरु-शिष्य परंपरा से जुड़े व्याख्यान और प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा भी की जाएगी। इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस दिन स्कूलों में जन्माष्टमी का अवकाश रहेगा। तीन साल से अब स्कूलों में जन्माष्टमी त्योहार विशेष तौर पर मनाया जाने लगा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, डिप्टी सीएम शुक्ल का बड़ा लक्ष्य

डिजिटल तकनीक से प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुंचेगी उन्नत चिकित्सा सेवा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से प्रदेश के अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की सहज पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत विकसित डिजिटल व्यवस्थाओं से नागरिकों को बेहतर, पारदर्शी और सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए सभी विभागों और स्वास्थ्य संस्थाओं को समन्वित प्रयासों के साथ मिशन मोड में कार्य करना होगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत मॉडल जिला एवं मॉडल स्वास्थ्य संस्था पहल की राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों और स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कहा कि चयनित मॉडल जिलों एवं संस्थाओं में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। यहां विकसित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को प्रदेश की अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं तक पहुंचाया जाए।

मेट्रो एंकर | **मप्र की बेटी ने 18,510 फीट की ऊंचाई पर रचा इतिहास**

वर्षा ने माउंट एल्ब्रुस पर तिरंगा फहराकर बढ़ाया प्रदेश का मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हौसला मजबूत हो तो मुश्किल से मुश्किल ऊंचाई भी छोटी पड़ जाती है। मध्यप्रदेश पुलिस की आरक्षक वर्षा पटेल ने अपने साहस और दृढ़ संकल्प से ऐसा ही उदाहरण पेश किया है। जबलपुर में पदस्थ वर्षा ने 21 अगस्त 2026 को यूरोप की सर्वोच्च चोटी माउंट एल्ब्रुस पर सफलतापूर्वक तिरंगा फहराकर मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया। 18,510 फीट यानी 5,642 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचकर उन्होंने भारत के साथ मध्यप्रदेश पुलिस का ध्वज भी लहराया।

माउंट एल्ब्रुस अभियान की शुरुआत 11 अगस्त से हुई थी। पर्वतीय क्षेत्र में मौसम लगातार चुनौती बना रहा। तेज हवाओं, जमा देने वाली ठंड और बदलते मौसम के कारण पर्वतारोहण दल को कई दिनों तक अनुकूल परिस्थितियों का इंतजार करना पड़ा। 20 और 21 अगस्त को मौसम ने साथ दिया तो अंतिम शिखर अभियान शुरू किया गया। तमाम मुश्किलों के बीच वर्षा पटेल ने अपने कदम नहीं रोके और 21 अगस्त की सुबह 9 बजकर 7 मिनट पर एल्ब्रुस के शिखर पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। यह क्षण उनके लिए ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस और पूरे प्रदेश के लिए गौरव का बन गया। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने वर्षा पटेल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में दुनिया की ऊंची चोटियों में शामिल एल्ब्रुस को फतह करना पूरे पुलिस विभाग के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि वर्षा ने साहस, अनुशासन और संकल्प के बल पर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। वर्षा की उपलब्धि पुलिस बल की महिला सदस्यों के साथ-साथ प्रदेश की बेटियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश है।

खेल के मैदान से पर्वत की चोटी तक

वर्षा पटेल को बचपन से ही खेल और पर्वतारोहण में रुचि रही है। वह राष्ट्रीय स्तर की बेसबॉल खिलाड़ी रह चुकी हैं और विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 10 से अधिक पदक हासिल कर चुकी हैं। उनके लिए यह पहली बड़ी पर्वतारोहण उपलब्धि नहीं है। वर्ष 2024 में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप की सर्वोच्च चोटी माउंट कोज़ियास्को पर भी तिरंगा फहराया था। इस उपलब्धि के साथ वह मध्यप्रदेश पुलिस की पहली महिला आरक्षक बनी थीं, जिन्होंने उस चोटी पर भारत का ध्वज पहुंचाया। वर्षा पटेल की कहानी केवल एक पर्वतारोहण अभियान की सफलता नहीं है। यह उस जज्बे की कहानी है, जिसमें वर्दी की जिम्मेदारी निभाने के साथ अपने सपनों को भी ऊंचाई दी जाती है। बर्फीले पहाड़ों के बीच तिरंगा थामे वर्षा ने साबित किया कि बेटियां अवसर और संकल्प मिलने पर किसी भी चुनौती को पार कर सकती हैं।

रुलाने को तैयार प्याज

रसोई में चीनी की कड़वाहट अभी कम भी नहीं हुई थी कि प्याज ने आंखों में आंसू लाने की तैयारी कर ली है। पिछले एक महीने में प्याज की थोक कीमतों में करीब 76 फीसदी की तेजी केवल बाजार की एक सामान्य हलचल नहीं है। यह उस खाद्य महंगाई की दस्तक है, जो त्योहारों के मौसम में आम परिवारों की जेब पर और भारी पड़ सकती है। सवाल केवल प्याज के महंगे होने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जो मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते फासले को समय रहते पहचान नहीं पा रही। प्याज भारतीय रसोई का महज एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि भोजन की बुनियादी जरूरत है। इसकी कीमत बढ़ते ही सब्जियों की लागत से लेकर घरेलू भोजन तक का बजट प्रभावित होता है। निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए तो हर अतिरिक्त रुपया सीधे किसी दूसरी जरूरत में कटौती का कारण बनता है। ऐसे में चीनी और प्याज की कीमतों में एक साथ तेजी महंगाई की चिंता को और गंभीर बना देती है। मौजूदा तेजी के पीछे खरीफ प्याज की बुआई में देरी, कमजोर आवक और अगस्त-सितंबर में भंडार घटने की आशंका प्रमुख कारणों में हैं। सरकार ने इस वर्ष बफर स्टॉक के लिए दो लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य रखा था, लेकिन जुलाई के अंत तक करीब 1.20 लाख टन ही खरीदा जा सका। किसानों को सरकारी खरीद में अपेक्षित भाव नहीं मिला, इसलिए उन्होंने उससे दूरी बनाए रखी। दूसरी ओर कमजोर मानसून और बेमौसम बारिश ने कृषि उत्पादन की अनिश्चितता बढ़ा दी है। यहीं से सरकारी तैयारी की असली परीक्षा शुरू होती है। जैसे ही बाजार में आपूर्ति घटने की खबर फैलती है, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के लिए रास्ते खुल जाते हैं। बफर स्टॉक बाजार में उतारना तत्काल राहत दे सकता है, लेकिन यह भी तभी प्रभावी होगा जब निर्णय समय पर लिया जाए और वितरण व्यवस्था मजबूत हो। महंगाई को ऊपर चढ़ने देने के बाद उसे नीचे लाना हमेशा आसान नहीं होता। आने वाले त्योहारी मौसम को देखते हुए सरकार को केवल प्याज पर नजर रखकर संतुष्ट नहीं होना चाहिए। सब्जियां, दालें, खाद्य तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं की मांग भी बढ़ेगी। यदि आपूर्ति तंत्र पहले से तैयार नहीं रहा तो महंगाई एक वस्तु से निकलकर पूरी खाद्य टोकरी को प्रभावित कर सकती है। इसलिए खाद्य महंगाई से लड़ाई केवल बाजार में स्टॉक उतारने तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

शिक्षा का मूल्यांकन होना आवश्यक लेकिन सोशल मीडिया के लिए मंच नहीं हैं सरकारी स्कूल

सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

आजकल सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नज़रिया एक चलन बनता जा रहा है, और यह अच्छा नहीं है। फ़ोन, कैमरा और कैमरा-युक्त स्मार्टफोन होते ही लगभग कोई भी सरकारी स्कूल में जाकर शिक्षकों से सवाल पूछ सकता है, कक्षाओं की तस्वीरें खींच सकता है और कुछ ही मिनटों में पूरी शिक्षा व्यवस्था के बारे में अपनी राय बना सकता है। कभी-कभी, यह इरादा नेक होता है। नागरिकों को शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज और बच्चों के भविष्य के बारे में चिंतित होने का पूरा अधिकार है।

इसका मतलब यह है कि एक सीधा-सा सवाल अक्सर उठाया जाता है, लेकिन उस पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है: निरीक्षण को लेकर यह उत्साह अक्सर सरकारी स्कूलों तक ही सीमित क्यों रहता है? कितनी बार स्वघोषित निरीक्षक बड़ी मुश्किल से और घड़ी की चुभती निगाहों से देखते हुए कुलीन निजी स्कूलों में घुसते हैं और वहाँ की फीस, बुनियादी ढाँचे, प्रवेश नीतियों, शिक्षकों के कार्यभार, परिवहन या अन्य किसी भी चीज़ के बारे में और भी अटपटे सवालों का सामना करते हैं? लोग महंगे निजी स्कूलों के गेट पर कैमरा लेकर घुस जाते हैं और शिक्षकों से सवाल पूछने लगते हैं। जवाब स्पष्ट है। हर निजी स्कूल की अपनी विशिष्ट प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा, प्रशासन और फोटोग्राफी/रिकॉर्डिंग की सीमाएँ होती हैं। बिना अनुमति के किसी को भी कक्षाओं में घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर, सरकारी स्कूलों में अक्सर खुला और सुलभ वातावरण होता है। वे समाज के कमजोर वर्गों और निम्न आर्थिक स्तर के बच्चों का पालन-पोषण करते हैं। वे खुले तो हैं, लेकिन नियमों से मुक्त नहीं हैं। हर पहुँच का मतलब पूर्ण अधिकार नहीं होता। सरकारी विद्यालयों के शिक्षक सरकार, विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों, छात्रों और कानून के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन्हें उचित संस्थागत माध्यमों से अपने पेशेवर कर्तव्यों के संबंध में पूछताछ का अधिकार और दायित्व दोनों है। हालांकि, उचित निरीक्षण और अनौपचारिक निगरानी में स्पष्ट अंतर होता है। अधिकृत निरीक्षण प्रशासन के निर्धारित ढांचे के भीतर होता है। इसके लिए प्रक्रियाएं, रिकॉर्ड, जिम्मेदारियां और जवाबदेही आवश्यक हैं। किसी परिसर में मोबाइल फोन रखना और बिना अनुमति के शिक्षकों की रिकॉर्डिंग करना दिखावा हो सकता है, लेकिन दिखावा निरीक्षण नहीं है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि शैक्षणिक संस्थानों में पारदर्शिता और गरिमा की आवश्यकता है।

यहां एक और बड़ा सवाल उठता है: शिक्षकों की गरिमा। शिक्षक कक्षाओं में बैठे सरकारी अधिकारी नहीं होते। वे विशेषज्ञ होते हैं जो बच्चों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसी प्रक्रियाएं होनी चाहिए जिनसे यह पता चल सके कि कोई शिक्षक अपने कर्तव्य में विफल हो रहा है, इसकी जांच की जाए और यदि शिक्षक वास्तव में विफल हो रहा है तो सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। हालांकि, आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना, बिना अनुमति के उनकी रिकॉर्डिंग करना या सोशल मीडिया पर चुनिंदा वीडियो पोस्ट करना यह जरूरी नहीं दर्शाता कि इससे शिक्षा का स्तर बेहतर हो रहा है। इसके विपरीत, इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यदि हर बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल होने की संभावना बन जाए, तो शिक्षक छात्रों के साथ स्वाभाविक रूप से बातचीत करने की बजाय उनके द्वारा रिकॉर्ड किए जाने को लेकर अधिक चिंतित हो सकते हैं। कक्षा धीरे-धीरे एक प्रदर्शन स्थल में बदल सकती है और वायरल कंटेंट की होड़ में शिक्षा का उद्देश्य भुलाया जा सकता है। इसका यह मतलब बिलकुल नहीं है कि सरकारी स्कूलों को जांच से छूट मिलनी चाहिए। बल्कि इसके विपरीत। सार्वजनिक धन और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, बच्चों के भविष्य से जुड़े मामलों में, सरकारी स्कूलों को पारदर्शी और जवाबदेह होना चाहिए। इसलिए शिक्षक और प्रशासक अपने कर्तव्यों के प्रति जवाबदेह हैं। माता-पिता और नागरिक निःसंकोच अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन उचित मंच पर चिंताएं उठाना एक बात है और अनधिकृत निरीक्षण और सोशल मीडिया पर परीक्षण के माध्यम से उन्हें उठाना बिलकुल अलग बात है।

शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में वास्तव में रुचि रखने वालों के लिए व्यवस्था के भीतर रहकर सार्थक योगदान देने का एक वैध तरीका भी है। तो क्यों न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करें और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी या अन्य प्राधिकरण पदों के लिए आवेदन करें? कड़ी मेहनत करें, योग्यता प्राप्त करें, नियमों को जानें, जिम्मेदारी लें और सरकार द्वारा प्रदत्त अधिकार के साथ विद्यालयों में प्रवेश करें। इस स्तर पर, निरीक्षणकर्ता और शिक्षक के बीच संबंध में महत्वपूर्ण बदलाव आता है। एक अधिकृत शिक्षा अधिकारी केवल कमियों को इंगित नहीं करता। एक अधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उन कमियों के कारणों को समझे, अभिलेखों की समीक्षा करे, कार्यान्वयन का मूल्यांकन करे, शिक्षकों का मार्गदर्शन करे, व्यवस्थागत मुद्दों को उजागर करे और समाधान खोजने में सहायता करे। निरीक्षण और हस्तक्षेप में यही अंतर है।

स्कूल कोई कंटेंट स्टूडियो नहीं है। कक्षा सोशल मीडिया रील्स के लिए कोई मंच नहीं है। शिक्षक ऑनलाइन किसी कहानी में किसी और की कहानी नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यूज़, लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़ में शिक्षा को दरकिनार नहीं किया जाना चाहिए। बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन स्कूल का सबसे खराब वीडियो बना सकता है। स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए कैमरे ही एकमात्र साधन नहीं हैं। स्कूलों का विकास सहयोग, जिम्मेदारी, समन्वय, संसाधनों और सुविचारित प्रशासन के फलस्वरूप होता है। इसलिए, किसी सरकारी स्कूल में स्वयं को निरीक्षक घोषित करने से पहले, आपको स्वयं से पूछना चाहिए: क्या मेरे पास यह कार्य ठीक से करने का अधिकार, समझ और जिम्मेदारी है? यदि आपको लगता है कि इसका उत्तर नहीं है, तो शायद कैमरे के बजाय बातचीत के माध्यम से प्रवेश करना बेहतर होगा। सलाह देना आसान होता है, लेकिन बदलाव लाना कठिन। शिक्षा का मूल्यांकन होना आवश्यक है, लेकिन साथ ही उसे संवेदनशील, पेशेवर और सम्मानजनक बनाना भी जरूरी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

116वीं जयंती पर विशेष

मानवता, और सेवा का पवित्र स्वरूप मदर टेरेसा, गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ। कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही। उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया।

मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रिसर्च... फैटी लिवर में ब्लैक कॉफी से होगा फायदा, लेकिन यह कोई इलाज नहीं

सुबह की शुरुआत एक कप ब्लैक कॉफी से करने वालों के लिए यह सवाल काफी दिलचस्प है कि क्या उनकी यह आदत सिर्फ नींद और सुस्ती दूर करने तक सीमित है या लिवर को भी फायदा पहुंचा सकती है। खासकर फैटी लिवर यानी लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने की समस्या बढ़ने के साथ कॉफी और लिवर हेल्थ के बीच संबंध पर वैज्ञानिकों की दिलचस्पी भी बढ़ी है। कई रिसर्च में कॉफी पीने और लिवर में फैट, फाइब्रोसिस तथा कुछ दूसरी लिवर बीमारियों के कम जोखिम के बीच संबंध देखा गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि ब्लैक कॉफी फैटी लिवर का इलाज है या इसे पीने से बीमारी निश्चित रूप से नहीं होगी। फैटी लिवर को अब अक्सर मेटाबोलिक डिसफंक्शन से जुड़ी स्टिएटोटिक लिवर डिजीज के संदर्भ में भी देखा जाता है। मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड और कम शारीरिक गतिविधि इसके प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। लिवर में फैट जमा होने के बाद कुछ लोगों में सूजन और धीरे-धीरे लिवर फाइब्रोसिस विकसित हो सकता है।

एनसीबीआई के अनुसार कॉफी पीने वालों में नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज का खतरा काफी कम हो जाता है और नियमित रूप से कॉफी पीने वाले रोगियों में लिवर फाइब्रोसिस का खतरा भी काफी कम हो जाता है। अधिकांश वैज्ञानिक अध्ययनों में 'ब्लैक कॉफी' को अलग से मुख्य विषय बनाकर नहीं, बल्कि सामान्य कॉफी सेवन को देखा गया है। इसलिए यह कहना कि केवल बिना दूध और बिना चीनी वाली ब्लैक कॉफी ही फैटी लिवर से बचाती है, उपलब्ध शोध से पूरी तरह साबित नहीं होता।

फिर भी, बिना चीनी और हाई-कैलोरी क्रीम वाली कॉफी एक व्यावहारिक विकल्प हो सकती है। इसका कारण यह है कि कॉफी में अतिरिक्त चीनी, फ्लेवर्ड सिरप या ज्यादा कैलोरी वाली क्रीम डालने से पेय की कुल कैलोरी काफी बढ़ सकती है। फैटी लिवर के संदर्भ में वजन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और मेटाबोलिक हेल्थ महत्वपूर्ण हैं, इसलिए कम कैलोरी वाली कॉफी इन पहलुओं को देखते हुए बेहतर विकल्प हो सकती है।

साइंस डायरेक्ट के मुताबिक एएलटी और एएसटी जैसे लिवर एंजाइम का बढ़ा हुआ लेवल आमतौर पर यह बताता है कि लिवर में सूजन है या उसे नुकसान पहुंचा है। कॉफी खासकर ब्लैक कॉफी पीने से इन एंजाइम के लेवल को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे लिवर के काम करने की क्षमता में सुधार का संकेत मिलता है। ब्लैक कॉफी को फैटी लिवर से बचाव का जादुई उपाय नहीं कहा जा सकता, लेकिन उपलब्ध रिसर्च इसके संभावित लिवर-फ्रेंडली प्रभावों की ओर इशारा करती है।

निशाना

फूल खिल कर हरिक डाल पे महका होता

प्रदीप कश्यप

ख़त्म कर झूठ को सच का जो खुलासा होता।
तो किसी ने भी भरोसा न हटाया होता।
तोड़ता कोई नहीं बाग से कलियाँ कच्ची।
फूल खिल कर के हरिक डाल पे महका होता।
रात होते ही घनी दीप जला लेते जो।
उन का फिर दूर तलक खूब उजाला होता।
लब पे मुस्कान खिला जिस को विदा कर रोये।
उस ने एक बार हमें मुड़ के तो देखा होता।
भेद का भाव नहीं मन में कभी रखता वो।
जिस ने नफ़रत को अगर दूर हटाया होता।
काँच के टुकड़े को अनमोल समझ लेते सब।
जौहरी ने तनिक उस को नहीं परखा होता।
छोड़ता साथ न मुश्किल में ज़रा भी कश्यप।
दोस्त जो ख़ास भला खूब हमारा होता।

नॉलेज

प्राचीन काल का ऐसा वॉटर फिल्टर... बस एक खास बीज के इस्तेमाल से साफ़ होता था पानी

आज के समय में पानी का प्रदूषण इतना बढ़ चुका है कि नदी, तालाब या कुएं का पानी सीधे पीना खतरनाक हो सकता है। ज्यादातर घरों में RO, UV या अन्य वॉटर प्यूरीफायर लगे मिल जाएंगे। बिना फिल्टर किए पानी पीने से कई बीमारियां हो सकती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि सैंकड़ों या हजारों साल पहले जब आधुनिक मशीनें नहीं थीं, तब लोग पानी कैसे साफ करते थे? प्राचीन भारत में एक अद्भुत और सरल तरीका प्रचलित था। सिर्फ एक खास बीज डालने या रगड़ने से गंदा, मैला पानी साफ और पारदर्शी हो जाता था। यह तरीका इतना प्रभावी था कि आज भी वैज्ञानिक इसका प्राकृतिक कोएगुलेंट के रूप में अध्ययन कर रहे हैं।

यह बीज है कतक (Strychnos potatorum) का। इसे क्लियरिंग नट भी कहा जाता है। आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों जैसे सुश्रुत संहिता में इसे जल प्रसादन द्रव्य यानी पानी को साफ करने वाले पदार्थों में गिना गया है। संस्कृत में इसे अंबुप्रसादन फल, तोयप्रसादन या जल निर्मलता कारक भी कहा गया है। संदर्भों के अनुसार यह तरीका हजारों साल पुराना है। कुछ अध्ययनों में 4000 साल पहले से इसके उपयोग का जिक्र मिलता है। दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और अन्य क्षेत्रों के गांवों में आज भी कुछ जगहों पर इसका पारंपरिक इस्तेमाल होता है।

कैसे काम करता था यह फिल्टर?: इसे इस्तेमाल करने का तरीका बेहद सरल था। सूखे बीज को मिट्टी के घड़े या बर्तन की अंदरूनी दीवार पर जोर से रगड़ा जाता था। फिर गंदा पानी भर दिया जाता था। कुछ समय बाद गंदगी के कण नीचे बैठ जाते थे और ऊपर का पानी बिलकुल साफ और स्वादहीन हो जाता था। बीजों को पीसकर पाउडर बनाकर भी पानी में मिलाया जाता था। बीज में मौजूद प्राकृतिक प्रोटीन और पॉलीइलेक्ट्रोलाइट्स गंदगी के कणों को बांधकर भारी बना देते हैं, जिससे वे नीचे बैठ जाते हैं। इसे कोएगुलेशन कहा जाता है।

टेक्नो अपडेट

ट्रकों को ठंडा रखने के लिए बैटरी वाला कूलिंग सिस्टम, भारतीय कंपनी ने किया तैयार

आईआईटी दिल्ली की एक युवा पूर्व छात्रा और उनके को-फाउंडर्स भारत की लॉजिस्टिक्स से जुड़ी एक ऐसी समस्या को हल करने में जुटे हैं, जो लगती तो आम है लेकिन हल हो जाने पर बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। वे एक ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं। जिसकी मदद से ठंडा सामान ले जाने वाले ट्रकों का इंजन बंद होने पर भी उनके अंदर का कूलिंग सिस्टम चलता रहे, ताकि अंदर रखा खाना या सामान खराब ना हो। इसी समस्या को हल करने के लिए छात्रा शैवी मलिक ने विवेक महिंद्राकर और धार्मिक बापोदारा के साथ मिलकर Yotuh Energy नाम का क्लाइमेट-टेक स्टार्टअप शुरू किया। स्टार्टअप ऐसे इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेशन सिस्टम बना रहा है, जो गाड़ी के इंजन से अलग होकर अपने आप काम कर सके ताकि इसके लिए ट्रक चालू रखने की जरूरत ना हो।

अभी चालू रखना पड़ता है ट्रक: दरअसल, मौजूदा ट्रक में सामान ठंडा रखना पूरी तरह से गाड़ी के इंजन पर निर्भर करता है। इसका मतलब है कि ट्रक के रुक जाने पर भी उसे चालू रखना पड़ता है ताकि अंदर का कूलिंग सिस्टम काम करता रहे और उसमें रखा सामान खराब ना हो। इससे काफी डीजल खर्च होता है।

यूथ ने इसका समाधान दोनों को अलग-अलग करके निकाला है। इनका eRIL सिस्टम ट्रक के इंजन का इस्तेमाल किए बिना, एक अलग बैटरी से कूलिंग सिस्टम को चलाता है। इसका मतलब है कि ट्रक रुकने पर भी उसे चालू रखने की जरूरत नहीं होती है। या फिर गाड़ी खराब होने पर भी कूलिंग अपने-आप बंद नहीं होगी। इस सिस्टम को इंटरनल-कंबशन और इलेक्ट्रिक दोनों तरह की गाड़ियों में लगाया जा सकता है।

यह टेक्नोलॉजी खास तौर पर छोटे कमर्शियल वाहनों के लिए बनाई गई है, जो भारत के शहर के अंदर डिलीवरी करते हैं। Yotuh का कहना है कि उसका अडैप्टिव कूलिंग सिस्टम काम करने की स्थितियों के हिसाब से अपने-आप काम कर सकता है।

इनोवेटर खुद को सिर्फ रेफ्रिजरेशन सप्लाई करने वाली कंपनी के तौर पर पेश नहीं कर रही है। इसका मकसद छोटे ऑपरेटर्स के लिए रेफ्रिजेरेटेड ट्रांसपोर्टेशन को आसान बनाना है। कंपनी का कहना है कि उसकी टेक्नोलॉजी इस्तेमाल के आधार पर हर यूनिट से सालाना 3-36 टन COw बचा सकती है। साथ ही रेफ्रिजरेशन की ऑपरेटिंग लागत को 75% तक कम कर सकती है।

कंटेनर में छिपा रखा था 60 लाख का गांजा, सात तस्कर हिरासत में, पिस्टल बरामद

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

गांजा तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कंटेनर में ऐसा गुप्त तहखाना बना रखा था, जिसे बाहर से देखने पर पहचान पाना मुश्किल था। कंटेनर का पिछला दरवाजा खोलने पर पूरा हिस्सा खाली नजर आता था लेकिन पुलिस ने बारीकी से जांच की तो अंदर एक गुप्त दरवाजा मिला। दरवाजा खोलते ही गांजे से भरी बोरियां बरामद हुईं। सिंगोड़ी-अमरवाड़ा मार्ग पर मंगलवार को हुई कार्रवाई में पुलिस ने 3 क्विंटल से अधिक गांजा जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 60 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय को गांजा तस्करी से जुड़े इनपुट मिले थे। इसके बाद स्पेशल टीम को सक्रिय किया गया। बीते दिन सुबह करीब 11 बजे पुलिस टीम ने सिंगोड़ी-अमरवाड़ा मार्ग पर संदिग्ध कंटेनर को रोक लिया। कंटेनर के साथ एक स्कॉर्पियो भी चल रही थी। पुलिस ने उसे भी रोककर दोनों वाहनों की तलाशी शुरू की। इसी दौरान कंटेनर के अंदर छिपे गुप्त हिस्से का पता चला।

तस्करों ने कंटेनर को इस तरह तैयार कराया था कि पीछे का दरवाजा खोलने पर वह सामान्य मालवाहक वाहन जैसा ही दिखाई दे। पहली नजर में अंदर कोई संदिग्ध सामान नजर नहीं आया। पुलिस ने जब कंटेनर के केबिन और बॉडी की बारीकी से जांच की तो एक ऐसा हिस्सा मिला, जो सामान्य बनावट से अलग था। जांच करने पर वहां गुप्त दरवाजा मिला। इसे खोलने पर अंदर जाने के लिए अलग से जगह बनी हुई थी और इसी गुप्त हिस्से में गांजे की बोरियां छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस को आशंका है कि जांच एजेंसियों से बचने के लिए कंटेनर में यह विशेष तहखाना तैयार कराया गया था। इतना ही नहीं जांच में सामने आया कि कंटेनर अकेला नहीं चल रहा था। एक स्कॉर्पियो भी उसके साथ थी। पुलिस को आशंका है कि स्कॉर्पियो सवार लोग आगे-आगे चलकर रास्ते की निगरानी कर रहे थे और कंटेनर के लिए रास्ता साफ रखने या पुलिस की मौजूदगी की जानकारी देने का काम कर रहे थे। पुलिस ने स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया है और उसमें सवार लोगों से पूछताछ की जा रही है। दोनों वाहनों के रूट और आरोपियों के मोबाइल फोन की जानकारी भी जांच का अहम हिस्सा है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। इसके अलावा नकदी भी जब्त की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार कहां से आए और तस्करी के इस नेटवर्क में इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था।

उड़ीसा से झांसी जा रही थी खेप?

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गांजे की यह खेप उड़ीसा से झांसी की ओर ले जाई जा रही थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि छिंदवाड़ा इस पूरे रूट में केवल रास्ते का हिस्सा था या यहां भी तस्करों का कोई स्थानीय नेटवर्क सक्रिय है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजा कहां से खरीदा गया, झांसी में किसे इसकी सप्लाई की जानी थी और इस नेटवर्क में कितने अन्य लोग शामिल हैं। कार्रवाई के बाद देर रात तक पुलिस की जांच जारी रही। बरामद गांजे का वजन कराया गया और कंटेनर के गुप्त हिस्सों की भी बारीकी से जांच की गई। पुलिस को आशंका है कि वाहन में इसी तरह के अन्य छिपे हुए हिस्से भी हो सकते हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड, मोबाइल कॉल डिटेल और तस्करी से जुड़े पुराने नेटवर्क की भी जानकारी जुटा रही है। मामले का विस्तृत खुलासा जांच पूरी होने के बाद किया जाएगा।

न्यूज विंडो

तीन युवाओं की मौत के बाद जागा शहर 1 सितंबर को निकलेगी जागरूकता रैली

गंजबासौदा। नशे की गिरफ्त में आकर तीन युवाओं की हुई दुखद मौतों ने शहर को झकझोर दिया है। नशे के बढ़ते जाल के खिलाफ अब नागरिक, व्यापारी, सामाजिक एवं धार्मिक संगठन एकजुट होकर मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। इसी उद्देश्य से बरेठ रोड स्थित दादजी प्लाजा में नशामुक्ति जागरूकता अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संतों के सानिध्य में नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी, वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास महाराज तथा जैन समाज के ब्रह्मचारी मधुर भैया सहित नगर के नागरिक, व्यापारी और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने नशे के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज बुलंद करने और युवाओं को इससे बचाने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नशा अब किसी एक परिवार की समस्या नहीं रह गया है। इसका असर पूरे सामाजिक ताने-बाने पर पड़ रहा है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए समाज को जागरूकता के साथ आगे आना होगा। नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई, युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और समाज में जागरूकता पैदा करना–इन तीनों मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 सितंबर को शाम 4 बजे रेलवे स्टेशन से सिरोंज चौराहा स्थित बाराही पैलेस तक नशामुक्ति जागरूकता रैली निकाली जाएगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से लाखों की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जबलपुर। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य साजिशकर्ता सहायक शिक्षक गिरजेश सिंह राजपूत (48) को विदिशा से गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में आरोपी द्वारा अलग-अलग युवाओं से करीब 29 लाख रुपए वसूलने का खुलासा हुआ है। मामले में एक महिला शिक्षिका राखी वंशकार से भी पूछताछ की जा रही है।

कटनी की छोटी महानदी में अवैध रेत उत्खनन का कारोबार बेखौफ जारी

कटनी। जिले की बड़वारा तहसील क्षेत्र अंतर्गत बहने वाली छोटी महानदी में अवैध रेत उत्खनन का कारोबार जारी है। लोगों का आरोप है कि मरोठी घाट, संगम घाट, सांधी घाट और विलायत खुर्द घाट पर रेत माफिया बेखौफ होकर प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि रेत माफिया दिन-रात हैवी मशीनों और ट्रैक्टरों की मदद से नदी का सीना चीरकर रेत निकाल रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में माफिया नदी के बीच से खुलेआम रेत निकालते साफ नजर आ रहे हैं, जिससे प्रशासनिक दावों की पोल खुल गई है।

निगवानी वेयर हाउस के ओपन कैंप में रखी हजारों क्विंटल धान पानी में भीगी

डिंडौरी। जिले के निगवानी वेयर हाउस के ओपन कैंप में रखी हजारों क्विंटल धान बारिश के कारण खराब हो गई है। धान के बारदाने सड़ चुके हैं और कई जगह धान अंकुरित हो गई है। मजदूर खराब और सही धान को अलग करने का काम कर रहे हैं, जबकि अधिकारी खराब धान की नीलामी करवाने की बात कह रहे हैं।

जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने की कार्रवाई

650 किलो मावा जब्त, बिना बिल बस में ले जाया जा रहा था, सैंपल जांच के लिए भेजे

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

त्योहारों के मद्देनजर मिलावटी और संदिग्ध खाद्य पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान में जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बीते दिन बड़ी कार्रवाई की। पुराने बस स्टैंड पर जांच के दौरान कटियार बस की डिग्गी से 13 बोरियों में रखा करीब 650 किलो मावा मिला। मावा के संबंध में व्यापारी कोई बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। टीम ने मावा को जब्त कर सैंपल जांच के लिए भेजे हैं।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश और एसडीएम देवेन्द्र सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पुराने बस स्टैंड पर बस क्रमांक एमपी 04पीए 3120को रोककर जांच की। डिग्गी की तलाशी लेने पर 13 बोरियों में मावा मिला। अतिरिक्त तहसीलदार डॉ. सुरेखा यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार ने मौके पर मावा उतरवाकर उसकी जांच की। पूछताछ में मावा फूल सिंह यादव का होना सामने आया। व्यापारी ने बताया कि मावा भोपाल से मंगवाया गया है, लेकिन उसके पास बिल नहीं है। संदेह के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मावा के नमूने लिए। पूरा मावा जब्त कर कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षित रखवाया गया है। व्यापारी को नोटिस जारी किया जा रहा है, जबकि मावा भेजने वाले के संबंध में भी जांच की जा रही है। नर्मदापुरम के चक्कर रोड स्थित ब्रजवासी स्वीट की जांच के दौरान मावा और मीठा मावा के दो नमूने लिए गए। इनकी भी खाद्य प्रयोगशाला में जांच कराई जाएगी।

सिवनी मालवा में लिए 10 से ज्यादा नमूने

सिवनी मालवा में एसडीएम विजय राय के निर्देशन में राजस्व और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने मिठाई निर्माण केंद्रों की जांच की। साईं स्वीट्स, बानापुरा से मिल्क केक और बर्फी, ओम राजस्थान मिष्ठान भंडार से संबंधित खाद्य नमूने, राजस्थान मिष्ठान भंडार के कारखाने से मिल्क केक, पाइनएप्पल बर्फी, चॉकलेट बर्फी और अंजीर बर्फी के नमूने लिए गए। रितेश ट्रेडर्स से पैक्ड घी का सैंपल भी लिया गया।

पिपरिया में मावा और मिठाइयों की जांच

पिपरिया में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सपना स्वीट से मावा और गुलकंद बर्फी के दो नमूने लिए। वहीं बीकानेर स्वीट से मावा, रसगुल्ला और मोतीचूर लड्डू के पांच नमूने जांच के लिए लिए गए। सभी नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि त्योहारों को देखते हुए दूध, मावा, दुग्ध उत्पाद और घी सहित अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच लगातार जारी रहेगी।

मारपीट के दौरान मां की मौत, हत्या के आरोप में बेटा गिरफ्तार; पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बमनौरा थाना क्षेत्र के ग्राम बमनौरा में महिला की मारपीट के दौरान हुई मौत के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मृतका के पुत्र को गिरफ्तार किया है। मृतका की पहचान सुनंतबाई के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम बमनौरा में मारपीट की सूचना मिलने पर डायल-112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर सुनंतबाई की मारपीट के दौरान मौत होना पाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या का प्रकरण दर्ज किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक छतरपुर रजत सकलेचा ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद बमनौरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पुत्र जाहर सिंह पिता मनप्यारे अहिरवार, निवासी ग्राम बमनौरा को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर वारदात के कारणों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले एवं एसडीओपी बड़ा मलहरा रोहित अलावा के मार्गदर्शन में की गई। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बमनौरा उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी रामटोरिया राजकपूर सिंह बघेल, सउनि के.एल. वर्मा सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दो गुटों में लंबे समय से चल रहा था विवाद

दो किन्नरों ने जय स्तंभ चौक पर खाया जहरीला पदार्थ, भर्ती

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर में किन्नरों के दो गुटों के बीच चल रहा विवाद अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। बीते दिन विवाद के बीच दो किन्नरों ने सड़क पर जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों की हालत बिगड़ने पर मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार, किन्नरों के दो गुटों के बीच लंबे समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा है। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और विवाद की स्थिति बनी हुई थी। विवाद के दौरान दो किन्नरों द्वारा जहरीला पदार्थ खा लेने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर विवाद की असली वजह का पता लगाने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किन परिस्थितियों में दोनों ने जहरीला पदार्थ खाया। बताया जा रहा है कि दोनों गुटों के बीच विवाद को लेकर पहले भी हंगामा और शिकायतें सामने आ चुकी हैं। लगातार चल रहे विवाद के बीच हुई इस घटना ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर रक्षाबंधन पर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने छात्राओं से राखी बंधवाकर मनाया पर्व

कलेक्टर बने भैया, नन्हीं बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र, उपहार किए भेंट

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन पर्व पर पवारखेड़ा स्थित सांदीपनि विद्यालय तथा माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय संयुक्त सीनियर बालिका छात्रावास में आत्मीयता और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। रक्षा सूत्र कार्यक्रम के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ ने छात्राओं से राखी बंधवाई। नन्हीं छात्राओं ने उत्साह और स्नेह के साथ अधिकारियों की कलाइयों पर राखियां बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को अपने बीच पाकर छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। कलेक्टर मिश्रा ने भी बच्चियों के स्नेह को सहजता से स्वीकार करते हुए उन्हें स्नेहाशीष दिया तथा मिठाई और उपहार भेंट किए। इस दौरान कलेक्टर ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए विद्यालय में मिल रही शिक्षा, आवासीय सुविधाओं, शिक्षकों के व्यवहार और भोजन की गुणवत्ता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से सीधे फीडबैक लेते हुए उनकी समस्याएं भी जानीं। छात्राओं ने विद्यालय की व्यवस्थाओं और भोजन को लेकर अपनी बात कलेक्टर के समक्ष रखी। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ अनुशासन बेहद जरूरी है। अनुशासन के बिना शिक्षा अधूरी है। उन्होंने छात्राओं से नियमित रूप से अनुशासन का पालन करते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय में छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सुविधाओं का लाभ उठाकर छात्राएं पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई करें, अपने सपनों को साकार करें तथा माता-पिता और शिक्षकों को गौरवान्वित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन की चुनौतियों का सामना करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। कलेक्टर ने कक्षा 10वीं और 12वीं की छात्राओं को परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत और लगन से करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण करें और कम से कम एक छात्रा मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करें। रक्षाबंधन के अवसर पर नन्हीं छात्राओं द्वारा अधिकारियों की कलाइयों पर बांधा गया रक्षा सूत्र कार्यक्रम का सबसे भावुक और यादगार क्षण रहा। कार्यक्रम ने जहां भाई-बहन के स्नेह का संदेश दिया, वहीं कलेक्टर ने छात्राओं को शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के जरिए उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

जंगल में चल रही थी कच्ची शराब की फैक्ट्री, चार हजार किलो महुआ लाहन नष्ट, तीन गिरफ्तार

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 4 हजार किलो महुआ लाहन नष्ट किया, जबकि हाथ भट्टी की शराब बनाने और रखने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 16 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। कार्रवाई के बाद अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरही थाना क्षेत्र के खिरहनी पारधी टोला में कच्ची शराब बनाए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद एसडीओपी वीरेंद्र धार्वे और थाना प्रभारी अरविंद कुमार चौबे के नेतृत्व में बरही और विजयराघवगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां मौजूद लोग जंगल की ओर भाग गए। तलाशी के दौरान 265 कंटेनरों में करीब 4 हजार किलो महुआ लाहन बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में पूरे लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इसके अलावा 25 लीटर तैयार कच्ची महुआ शराब भी जब्त कर नष्ट की गई।

इधर स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सिहुड़ी स्थित सपेरा डेरा में भी पुलिस ने हाथ भट्टी शराब के खिलाफ कार्रवाई की। एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन और थाना प्रभारी विजय कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में टीम ने दबिश देकर तीन आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी के पास से 6 लीटर, मीना बाई सपेरा के पास से 5 लीटर और सरस्वती बाई सपेरा के पास से 5 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। कुल 16 लीटर शराब की अनुमानित कीमत करीब 6,400 रुपए बताई गई है। पुलिस ने मौके पर शराब बनाने में इस्तेमाल किए जा रहे महुआ लाहन और अन्य उपकरण भी नष्ट किए।

स्लीमनाबाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं बरही पुलिस खिरहनी पारधी टोला से फरार हुए संदिग्ध शराब कारोबारियों की तलाश कर रही है। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस का फोकस अवैध शराब बनाने वाले ठिकानों और इससे जुड़े नेटवर्क पर कार्रवाई करने पर है।

न्यूज विंडो

पूर्व राज्यमंत्री पटेल ने राखी बाजार का किया शुभारंभ, लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने पर जोर

नरसिंहपुर। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर स्थानीय सुभाष मार्केट जनपद मैदान में राखी बाजार का शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय दुकानदारों से मुलाकात कर उन्हें त्योहार के लिए शुभकामनाएं दीं और राखी बाजार में खरीदारी के लिए पहुंचे लोगों से संवाद किया पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि त्योहारों का उत्साह स्थानीय बाजारों की रौनक से और बढ़ जाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहारों पर अधिक से अधिक खरीदारी स्थानीय दुकानदारों से करें, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिले और क्षेत्र के छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लोकल फॉर वोकल' के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन देना आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लोगों ने भी त्योहार की तैयारियों के लिए बाजार का रुख करना शुरू कर दिया है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि उक्त अवसर पर मनोनीत पार्षद विनोद जैन सोमेश नारायण श्रीवास्तव पार्षद सौरभ ठाकुर, पार्षद सुमित कश्यप मनोनीत पार्षद शैलेन्द्र राय मनीष ठाकुर मनीष साहू योगेश राय राकेश चौरसिया सहित अन्य गणमान्यजन एवं नागरिक स्थानीय दुकानदार उपस्थित रहे।

पशुवाहन में कैद हुए कांग्रेस पार्षद, बोले- सांडों को बाहर करो या हमें बाहर करो

नरसिंहपुर। बीते दिन गुदरी से भयभीत करने वाली घटना देखने को मिली जब एक पागल सांड ने पूरे इलाके में कोहराम मचाया। दर्जनों गाड़ियां और अनेक लोगों को घायल कर दिया। उक्त घटना से चिंतित लोगों ने सांडों के बढ़ते आतंक को रोकने के लिए कांग्रेस पार्षद दल ने सीएमओ नगर पालिका नरसिंहपुर को अल्टीमेटम पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि सांडों का आतंक इतना बढ़ गया है कि नगर के लोगों की जान पर बन आई है। अतिशीघ्र सांडों को शहर से बाहर किया जाए नहीं तो हम कांग्रेस के पार्षदों को पशुवाहन में बंद करके बाहर कर दीजिए। नगर के जन-मानस के जीवन के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांकेतिक रूप से कांग्रेस पार्षदों ने अपने आप को पशुवाहन में कैद किया। सांडों को शहर से बाहर करो नहीं तो हम पार्षदों को कर दो।

सिंगौरगढ़ किले का रास्ता बंद करने के विरोध में जयस ने सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। जिले की ऐतिहासिक धरोहर अमर वीरांगना रानी दुर्गावती के किला सिंगौरगढ़ पहुंचने वाला रास्ता बंद कर दिया गया है यह रास्ता बरसों पुराना है। इसी रास्ते के माध्यम से हजारों लोग प्रतिदिन सिंगौरगढ़ किला घूमने आते हैं। रास्ता बंद हो जाने के कारण रानी दुर्गावती की ऐतिहासिक धरोहर को देखने आने वाले लोगों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रास्ता बंद होने के विरोध में जय आदिवासी युवा शक्ति जयस द्वारा जिला कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी तहसील तेंदूखेड़ा को ज्ञापन सौंपा। जय आदिवासी युवा शक्ति जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि सिंगौरगढ़ किला हमारे क्षेत्र की आन बान और शान है किला तक पहुंचने वाला मार्ग बंद करना गलत है। सिंगौरगढ़ किला ऐतिहासिक धरोहर है जो रानी दुर्गावती के गौरवशाली इतिहास को दर्शाता है, जबकि सिंगौरगढ़ किला पुरातत्व विभाग के अधीन होने के बाद भी रास्ता अचानक से बंद कर देना ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक धरोहर के साथ इस प्रकार की लापरवाही ठीक नहीं है, हम सभी शासन प्रशासन से मांग करते हैं कि इस रास्ते को क्यों बंद किया गया है। इसकी निष्पक्ष जांच की जावे तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए, क्योंकि ऐतिहासिक धरोहर के साथ छेड़छाड़ करना गलत है। रानी दुर्गावती हम सभी का गौरव है दो दिवस के अंदर रास्ता नहीं खोला जाता है तो जय आदिवासी युवा शक्ति जयस एवं आदिवासी समाज तथा क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया जाएगा।

कुक्षी सिविल अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर के निजी क्लीनिक का मामला

मासूम की इलाज के दौरान हुई मौत डॉक्टर पर गलत उपचार का आरोप

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के बाग ब्लॉक अंतर्गत ग्राम आगर निवासी 15 माह की मासूम बच्ची अर्पिता की एक निजी क्लीनिक पर इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने थाने पहुंचकर जमकर हंगामा किया। पिता ने डॉक्टर पर मना करने के बावजूद गलत इंजेक्शन लगाने और लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर क्लीनिक से दवाइयां जब्त कर ली हैं।

जानकारी के अनुसार प्रकाश अनारे अपनी 15 माह की इकलौती बेटी अर्पिता को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर बाग स्थित डॉ. सुमेरसिंह अलावा के क्लीनिक लेकर पहुंचे थे। पिता का आरोप है कि डॉक्टर ने बच्ची को ड्रिप चढ़ाई और एक इंजेक्शन लगाया। जब डॉक्टर दूसरा इंजेक्शन लगाने लगे तो उन्होंने मना भी किया, लेकिन डॉक्टर नहीं माने और दूसरा इंजेक्शन लगा दिया। इसके तुरंत बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। बच्ची को सीएचसी बाग ले जाया गया, जहां दो डॉक्टरों ने सीपीआर देकर सांसें लौटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस को क्लीनिक पर नहीं मिले डॉक्टर

आरोपी डॉ. सुमेरसिंह अलावा कुक्षी सिविल अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ हैं और वे लंबे समय से बाग में अपना निजी क्लीनिक भी संचालित कर रहे हैं। घटना के बाद जब पुलिस जांच के लिए पहुंची, तो डॉक्टर क्लीनिक पर मौजूद नहीं मिले। बाग अस्पताल में डॉ. नितिन श्रीवास्तव और डॉ. विश्वजीत पटेल के पैनल द्वारा बच्ची के शव का पोस्टमार्टम किया गया। डॉक्टरों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण शरीर में पानी की अत्यधिक कमी (डिहाइड्रेशन) प्रतीत होता है। मौत की वास्तविक वजह जानने के लिए विसरा प्रिजर्व कर जांच के लिए भेजा गया है। बाग थाना एएसआई कमलेश राठोडिया ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर क्लीनिक से दवाइयां जब्त की गई हैं। पोस्टमार्टम के बाद विसरा जांच के लिए भेजा गया है। विसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी विधायक हादसे में घायल, बाइक सवार को बचाने में गड्ढे में गिरी कार

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले की सिरोंज विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक उमाकांत शर्मा मंगलवार दोपहर को एक सड़क हादसे में घायल हो गए। विधायक सिरोंज से अपनी कार से स्टाफ के सदस्यों के साथ भोपाल जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में अचानक उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गड्ढे में गिर गई। हादसे के बाद विधायक व उनके स्टाफ के सदस्यों को घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि विधायक उमाकांत शर्मा बीते दिन अपने स्टाफ के साथ इनोवा कार से सिरोंज से भोपाल के लिए रवाना हुए थे। रास्ते में बैरसिया के आगे निपानिया जाट के पास एक पेट्रोल पंप के समीप अचानक सामने आई मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क से नीचे उतर गया। कार पेट्रोल पंप की नाली पार करते हुए पेड़-पौधों के बीच जाकर रुकी। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार के सड़क से नीचे उतरने के कारण वाहन क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। हादसे में विधायक उमाकांत शर्मा सुरक्षित हैं। उन्हें मामूली चोट आने की जानकारी है। एहतियात के तौर पर चिकित्सकों ने उन्हें भोपाल के एक निजी अस्पताल में ऑब्जर्वेशन में रखा है। वहीं कार चालक गोलू यादव को भी मामूली चोट आई है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

रक्षाबंधन पर महिला ने दिखाई नरमी, बोली- 'छोड़ दो चोर को, वो बहन के घर जा रहा है'

गुना। दोपहर मेट्रो

प्यार और दोस्ती के नाम पर सोशल मीडिया पर होने वाली बातचीत कई बार लोगों को मुसीबत में डाल देती है, लेकिन मध्यप्रदेश के गुना में एक महिला ने इसी सोशल मीडिया की मदद से चोरी हुए मोबाइल तक पहुंचने का अनोखा तरीका अपनाया। महिला ने पहले चोर से सोशल मीडिया पर दोस्ती की और फिर बातचीत के जरिए उसकी लोकेशन और आने-जाने की जानकारी जुटाकर उसे रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया।

जानकारी के मुताबिक कैंट थाना क्षेत्र में कुछ समय पहले एक महिला का एंड्रॉयड मोबाइल चोरी हो गया था। चोरी करने वाले आरोपी ने मोबाइल में मौजूद तस्वीरें डिलीट कर दीं और कई नंबर ब्लॉक भी कर दिए, लेकिन मोबाइल में लगी सिम को बदलना भूल गया। इसी गलती का फायदा महिला की बड़ी बहन ने उठाया और आरोपी से दोस्ती कर उसे अपने परिजनों के साथ मिलकर पकड़ लिया। मोबाइल मालिक की बड़ी बहन ने आरोपी को सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। चैटिंग के दौरान महिला को पता चला कि आरोपी इंदौर से अपने गांव, बदरवास तहसील के गिन्दौरा जाने वाला है। महिला ने उससे मिलने की योजना बनाई और उसके गुना पहुंचने का इंतजार करने लगी। दोपहर करीब 1.30 बजे जैसे ही आरोपी गुना रेलवे स्टेशन पहुंचा, महिला अपने परिजनों के साथ वहां पहले से मौजूद थी। आरोपी के पास वही चोरी हुआ मोबाइल भी था। अचानक हुए इस घटनाक्रम से स्टेशन पर कुछ देर के लिए हंगामे की स्थिति बन गई। मामले में एक दिलचस्प मोड़ तब आया, जब रक्षाबंधन के पर्व को देखते हुए महिला ने आरोपी को छोड़ने की बात कही। महिला ने कहा कि राखी पर आरोपी अपनी बहन से मिलने और राखी बंधवाने जा रहा है इसलिए उसे छोड़ दें। हालांकि चोरी की घटना को लेकर पुलिस अपनी कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

टिमरनी में लूट के इरादे से महिला की हत्या, बिजली के तार से घोंटा गला, सोने के जेवर ले उड़े बदमाश

हरदा। दोपहर मेट्रो

जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 स्थित ठाकुर बाबा मोहल्ले में 57 वर्षीय महिला की गला घोंटकर हत्या का मामला सामने आया है। महिला के घर से सोने की माला और कानों के कुंडल गायब मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस वारदात को लूट के इरादे से की गई हत्या मानकर जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8 बजे पड़ोस में रहने वाली एक महिला बेलपत्र लेने मृतक पुष्पा गौर के घर पहुंची थी। घर के अंदर पलंग पर पुष्पा अचेत अवस्था में पड़ी मिलीं। पड़ोसी महिला ने तत्काल उनके भाई अनुराग गौर को सूचना दी। इसके बाद टिमरनी थाना पुलिस और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित मिश्रा मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि

महिला का बिजली के तार से गला घोंटा गया था। उनके गले में पहनी सोने की माला और कानों के कुंडल मौके से गायब मिले, वहीं पलंग के पास सोने का एक मोती भी मिला है। पुलिस को आशंका है कि संघर्ष के दौरान या जेवर खींचने के दौरान माला टूट गई होगी।

बताया गया है कि पुष्पा गौर के पति का करीब 19 वर्ष पहले निधन हो चुका था, वहीं उनके इकलौते बेटे की करीब तीन वर्ष पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद से वे घर में अकेली रह रही थीं। एएसपी अमित मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला लूट के इरादे से की गई हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने हत्या और लूट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए नर्मदापुरम से फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ संदिग्ध गतिविधियों और जेवरों की तलाश में भी जुटी है। फिलहाल तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि वारदात की पूरी तस्वीर और आरोपियों की भूमिका स्पष्ट होगी।

मेट्रो एंकर दुकानदारों एवं वाहन चालकों को दी हिदायत, अगली बार होगी चालानी कार्रवाई

ईद मिलादुन्नबी और रक्षाबंधन पर्व को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आगामी ईद मिलादुन्नबी एवं रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने तथा नगर में कानून बनाए रखने के उद्देश्य से से बीते दिन नगर में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया तेन्दूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर, नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर ने पुलिस स्टांप के साथ नगर के बाजार एवं मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर की बाजार व्यवस्था को सुनियोजित तरीके से दुकानें लगाने एवं सडक पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई। मुख्य सडक मार्ग पर बेतरतीब खडे वाहनों को व्यवस्थित खड़े करने के लिए कहा गया। दोबारा अगर वाहन सड़क पर खड़ा पाया गया तो चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा फल सब्जी के ठेलों को मुख्य सड़क पर नहीं लगाने के लिए कहा गया। पुलिस द्वारा कुछ वाहनों के चालान भी काटे गए।

ज्ञात हो कि शांति समिति की बैठक में नगर के

नागरिकों ने आगामी त्यौहारों एवं नगर की अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठाएं थे, मुख्य मार्ग के अलावा भटरिया मार्ग, राम मंदिर मार्ग पर दिन में कई बार जाम के हालात निर्मित होते हैं जिससे वाहन चालकों सहित बाहर से आए ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पडता हैं, उसी बात को संज्ञान में लेकर पुलिस विभाग के द्वारा नगर के बाजार एवं मुख्य मार्ग का निरीक्षण किया गया। पुलिस के इस निरीक्षण की नगर के लोगों ने तारीफ की हैं कहां कि पुलिस अगर ऐसे ही मार्गों एवं दुकानों का निरीक्षण करें तो बहुत जल्द ही लोग अपनी दुकानें एवं वाहन व्यवस्थित तरीके रखेंगे। साथ ही आगामी पर्व को आपसी भाईचारे प्रेम एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई है। अफवाहों से बचने तथा किसी भी प्रकार की विवादित गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के संबंध में समझाइश दी गई है। इस दौरान एसडीओपी अर्चना अहीर थाना प्रभारी सरोज ठाकुर उपनिरीक्षक संजय सिंह गजराज सिंह ठाकुर प्रधान आरक्षक बृजेश त्रिपाठी महेश ठाकुर आरक्षक विशाल बेन सहित अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद था।

एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया कि त्यौहारों को देखते हुए भीड़ बहुत बढ़ेगी, साथ ही नगर में कोई भी दुकानकदार अपनी दुकान को सही तरीके से नहीं लगाता हैं मुख्य सड़क एवं नगर के अंदर की सड़कों पर वाहन भी सही तरीके से खड़े नहीं किए जाते हैं आज सभी को हिदायत दी गई हैं। कुछ वाहनों के चालान काटे गए हैं अगली बार से सभी पर चालानी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही त्यौहारों के मद्देनजर दमोह पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है और लोगों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट में वैभव की एंट्री तय?: 15 साल के युवा बल्लेबाज पर द्रविड़ को पूरा भरोसा, बोले-

पहले दो घरेलू सीजन लाल गेंद से खुद को साबित करना होगा

मुंबई, एजेंसी

महज 15 साल की उम्र में क्रिकेट की दुनिया में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब टेस्ट क्रिकेट के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी में हैं। हालांकि भारतीय टीम में उनकी एंट्री को लेकर अभी कोई जल्दबाजी नहीं है। पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने इस युवा बल्लेबाज की क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा है कि वैभव में तीनों प्रारूपों में खेलने की काबिलियत है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट के लिए उन्हें लंबी और कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। द्रविड़ का मानना है कि वैभव के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज धैर्य और पर्याप्त रेड-बॉल क्रिकेट है। सफेद गेंद में कम उम्र में मिली असाधारण सफलता के बाद उनके प्रति उम्मीदें तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाज की तकनीक, एकाग्रता और लंबे समय तक टिककर खेलने की क्षमता की अलग परीक्षा होती है।

राहुल द्रविड़ ने कहा कि वैभव को घरेलू क्रिकेट में लगातार लाल गेंद के मुकाबले खेलने चाहिए। उनका मानना है कि यदि युवा बल्लेबाज को पर्याप्त अभ्यास और प्रतिस्पर्धी रेड-बॉल क्रिकेट का मौका मिलता है तथा वह करीब दो घरेलू सीजन खेलता है, तो उसके पास टेस्ट टीम के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का बेहतर मौका होगा। यानी वैभव के लिए टेस्ट क्रिकेट का रास्ता बंद नहीं है, लेकिन फिलहाल उन्हें सीधे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आजमाने के बजाय घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करने की जरूरत है। द्रविड़ की सलाह का मूल संदेश साफ है–पहले अनुभव, फिर टेस्ट क्रिकेट।

आईपीएल में तूफान, फर्स्ट क्लास में अभी संघर्ष

वैभव ने सफेद गेंद के क्रिकेट में जिस तेजी से अपनी पहचान बनाई है, उसने क्रिकेट जगत को चौंका दिया है। आईपीएल 2026 में उन्होंने 16 मैचों में 776 रन बनाए और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम की। लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में उनकी कहानी अभी बिल्कुल अलग है। उनके नाम आठ फर्स्ट क्लास मुकाबले हैं और इस प्रारूप में उनका बल्लेबाजी औसत 17.25 है। यही आंकड़ा बताता है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए अभी उन्हें काफी काम करना बाकी है। द्रविड़ इसी वजह से वैभव की प्रतिभा के बावजूद जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। उनका मानना है कि युवा बल्लेबाज को असफलताओं से गुजरने, तकनीकी कमियों पर काम करने और लंबे समय तक क्रीज पर टिकने की आदत विकसित करने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए।

द्रविड़ ने बताया टीम इंडिया तक पहुंचने का रास्ता

सफेद गेंद की सफलता ही बन सकती है सबसे बड़ी चुनौती

वैभव के सामने सबसे दिलचस्प स्थिति यह है कि सफेद गेंद में उनकी बढ़ती मांग ही उनके टेस्ट सफर को मुश्किल बना सकती है। जैसे-जैसे वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में आगे बढ़ेंगे, उनके पास घरेलू रेड-बॉल मुकाबले खेलने के लिए समय कम हो सकता है। द्रविड़ ने भी इसी पहलू को महत्वपूर्ण बताया है। उनके अनुसार वैभव की क्षमता पर सवाल नहीं है, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि क्या उन्हें लगातार दो घरेलू सीजन खेलने और लाल गेंद के क्रिकेट में पर्याप्त समय बिताने का अवसर मिलेगा।

द्रविड़ को क्यों दिखता है टेस्ट का भविष्य?

राहुल द्रविड़ ने वैभव को राजस्थान रॉयल्स के साथ करीब से देखा है। इसलिए उनकी राय केवल बाहरी आकलन नहीं मानी जा रही। वह युवा बल्लेबाज की क्षमता, उसके स्वभाव और खेल को समझने के बाद यह मानते हैं कि उसमें तीनों प्रारूपों में सफल होने की क्षमता मौजूद है। द्रविड़ के मुताबिक आधुनिक क्रिकेट में ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है जो अलग-अलग प्रारूपों के हिसाब से अपने खेल को ढाल सकें। वैभव के लिए भी सफेद और लाल गेंद के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी होगा।

अब सवाल प्रतिभा का नहीं, तैयारी का है

वैभव सूर्यवंशी के लिए फिलहाल सबसे अहम लक्ष्य टेस्ट टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार करना है। अगर वह घरेलू लाल गेंद के क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, लंबी पारियां खेलते हैं और अपनी तकनीक को मजबूत बनाते हैं, तो टीम इंडिया के दरवाजे उनके लिए खुल सकते हैं। द्रविड़ का भरोसा वैभव के लिए बड़ा संकेत है, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की मंजिल तक पहुंचने के लिए इस युवा सितारे को अब चमकती सफेद गेंद से आगे बढ़कर लाल गेंद की असली परीक्षा पास करनी होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए तेज गेंदबाज

कार्स विवाद पर वॉन का कड़ा वार, बोले- ऐसी सजा दो कि पूरी इंग्लैंड टीम कांप उठे

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स के नाइट क्लब विवाद ने टीम के अनुशासन पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। घटना के सामने आने के बाद पूर्व इंग्लिश कप्तान माइकल वॉन ने खिलाड़ियों के लिए बेहद सख्त सजा की मांग की है। उनका कहना है कि अनुशासन तोड़ने वाले खिलाड़ी के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे पूरी टीम को साफ संदेश मिले कि गलत व्यवहार किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वॉन ने कहा कि किसी एक खिलाड़ी को उदाहरण बनाकर सख्त संदेश देना जरूरी है। उनके मुताबिक खिलाड़ियों को यह महसूस होना चाहिए कि टीम की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने या गलत आचरण करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। कार्स उस समय डरहम के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे। पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए उन्हें इंग्लैंड की टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद वे काउंटी चैंपियनशिप में डरहम की ओर से खेलने लौट गए। डरहम की जीत के बाद एक वीडियो सामने आया, जिसमें कार्स को नाइट क्लब के बाहर पुलिस द्वारा हथकड़ी लगाए हुए देखा गया।

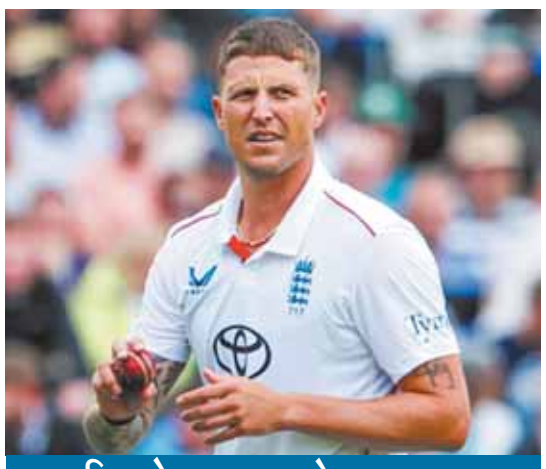

पुलिस ने नाइट क्लब के बाहर पकड़ा

वॉन ने कहा कि अगर पिछले कुछ महीनों में हुई घटनाओं को देखते हुए कार्स को जिम्मेदार ठहराया जाता है तो उन्हें इसका दुख होगा, लेकिन टीम के भीतर अनुशासन कायम करने के लिए किसी स्तर पर कड़ा कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कार्स के समर्थन और मार्गदर्शन की जरूरत पर भी जोर दिया। वॉन का मानना है कि खिलाड़ी के आसपास ऐसे लोग होने चाहिए जो उसे बेहतर सलाह दे सकें और गलत परिस्थितियों से दूर रखें।

इंग्लैंड टीम में नाइट क्लब विवादों की लंबी कड़ी

कार्स का मामला इंग्लैंड क्रिकेट से जुड़े हालिया अनुशासन विवादों की सूची में नया नाम है। पिछले साल व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक भी न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में नाइट क्लब के बाहर हुई घटना को लेकर चर्चा में रहे थे। वहीं एशेज दौरे के दौरान बेन डकेट का नशे में वीडियो सामने आया था। जून में पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन पर टीम कर्फ्यू तोड़ने का मामला भी सामने आया था। इस दौरान लंदन के एक नाइट क्लब में इंग्लैंड के सुरक्षा स्टाफ से जुड़ी घटना भी हुई थी।ईसीबी ने स्पष्ट किया है कि कार्स गुरुवार से लॉर्ड्स में पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी जगह हैम्पशायर के तेज गेंदबाज सोनी बेकर को टीम में शामिल किया गया है। अ

बल्ले के बाद अब गेंद से छाए वैभव सूर्यवंशी, एक ही ओवर में झटके 2 विकेट

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी गेंदबाजी से भी दमदार छाप छोड़ी। बेंगलुरु में खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन की ओर से मैदान पर उतरे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में एक ही ओवर में दो विकेट लेकर विपक्षी टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं। उनकी स्पिन के सामने नॉर्थ ईस्ट जोन की बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं सकी और टीम को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। नॉर्थ ईस्ट जोन पहली पारी में सिर्फ 111 रन पर ऑलआउट हो गया था। इसके जवाब में ईस्ट जोन ने अपनी पहली पारी में 467 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद नॉर्थ ईस्ट जोन को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी पारी में भी नॉर्थ ईस्ट जोन के विकेट लगातार गिरते रहे। इसी दौरान बाएं हाथ के स्लो ऑर्थोडॉक्स स्पिनर वैभव सूर्यवंशी को गेंद सौंपी गई। उन्होंने 27वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए दो बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता था कांस्य

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी को रैंकिंग में मिला बड़ा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की स्टार भारतीय जोड़ी को ड़ा फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में यह स्टार महिला डबल्स जोड़ी 39वें नंबर से 12 पायदान ऊपर चढ़कर दुनिया की 27वीं जोड़ी बन गई है।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने भारत में आयोजित बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए एकमात्र पदक जीता। यह जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची और ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के 2011 में कांस्य पदक जीतने के बाद चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला डबल्स जोड़ी बन गई। ताजा रैंकिंग में दोनों के नाम 44,192 पॉइंट्स हो गए हैं। पिछले सप्ताह की रैंकिंग में वे 33,692 पॉइंट्स के साथ वर्ल्ड में 39वें नंबर पर थीं।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चौथी सीड वाली चीनी जोड़ी जिया यी फैन और झांग शू जियान को हराया था। यह एक शानदार जीत थी जिससे उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 16-21, 21-15, 21-13 से जीता था। दोनों की जीत की वजह से भारत ने 2011 से वर्ल्ड्स में कम से कम एक मेडल जीतने का अपना सिलसिला बनाए रखा। इस बीच, पुरुषों की सिंगल्स रैंकिंग के टॉप 10 में बड़ा बदलाव हुआ। इंडोनेशियाई शटलर जोनाथन क्रिस्टी नए वर्ल्ड नंबर 1 बन गए हैं, क्योंकि उन्होंने राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाने के बाद तीसरे से दो स्थान ऊपर चढ़कर जगह बनाई है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

6 महीने की प्रेग्नेंट थीं कियारा, बिना नखरे दिखाए बारिश में शूट किया टॉक्सिक सीन, हैरान हुईं हुमा

फिल्म टॉक्सिक की रिलीज का इंतजार बस खत्म ही होने वाला है। इस शुक्रवार सिनेमाघरों में यश की फिल्म का भौकाल दिखेगा। उनकी हीरोइनों में कियारा आडवाणी भी शामिल हैं। एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी में फिल्म की शूटिंग पूरी की है। बीती रात चेन्नई में हुए टॉक्सिक के प्री-रिलीज इवेंट में हुमा ने कियारा के काम और डेडिकेशन की तारीफ की।

इवेंट में हुमा ने बताया कि कैसे शूटिंग के दौरान उनके सिर में बहुत तेज दर्द हो रहा था। लेकिन कियारा बिना किसी शिकायत के चुपचाप शूट कर रही थीं। हुमा ने कहा- एक सीन में बहुत तेज बारिश हो रही थी। कियारा तब प्रेग्नेंट थीं। वो रेन सीक्वेंस इतना थकाऊ था कि मेरे सिर में दर्द होने लगा था। उस सीक्वेंस को लेकर मैं शिकायत करना चाहती थी। फिर मैं कियारा की तरफ देखती, तब वो 6 महीने की प्रेग्नेंट थीं।।। मैंने देखा कि कियारा अपनी जगह पर खड़ी हैं, सीन कर रही हैं, रॉक की तरह कियारा वो मुश्किल सीन कर रही थीं। मैं कियारा को देखकर हैरान थीं। उनके डेडिकेशन ने मुझे इंस्पायर किया। मुझे पता है कियारा को इस फिल्म के जरिए बेशुमार प्यार मिलने वाला है। इवेंट में फिल्म के लीड स्टार यश, कियारा आडवाणी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी के साथ फिल्म की पूरी टीम मौजूद रही। डायरेक्टर गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म 26 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। रक्षाबंधन वीकेंड का इस मूवी को भरपूर फायदा मिलने वाला है। फिल्म में यश डबल रोल में नजर आएंगे। मूवी के टीजर में यश और कियारा की रोमांटिक केमिस्ट्री ने लोगों के होश उड़ाए हैं। इंटीमेट सीन्स को लेकर ये फिल्म काफी ट्रोल हुई है। खासकर शादीशुदा और एक बच्चे की मां कियारा को इंटीमेट होते देख लोगों का पारा हाई हुआ है।

ड्रामे से लोगों को इम्प्रेस कर रहे यश

यश अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी केजीएफ 2 के चार साल बाद किसी फिल्म में काम कर रहे हैं. डार्क गैंगस्टर ड्रामा में यश का एक्शन अवतार लोगों को इंप्रेस कर रहा है. फिल्म एडवांस बुकिंग में बेहतरीन परफॉर्म कर रही है. इसने प्री टिकट सेल में दमदार कमाई कर डाली है. ये 2026 की दूसरी सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग करने वाली फिल्म बन गई है. टॉक्सिक के निशाने पर अब धुरंधर 2 की एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड है. धुरंधर 2 ने प्री सेल से 56 करोड़ कमाए थे. वहीं टॉक्सिक ने ब्लॉक सीटों के साथ प्री-सेल में 41.36 करोड़ रुपये कमाए हैं.

आसिम से विवाद के बीच हिमांशी खुराना का नया पोस्ट, बोलीं- सॉरी, मैं लो मेंटेनेंस वाली नहीं हूं

मुंबई । हिमांशी खुराना और आसिम रियाज का भले ही ब्रेकअप हो चुका है, लेकिन दोनों के बीच की पुरानी बातें एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में दोनों ने अपने रिश्ते और उससे जुड़े विवादों को लेकर अलग-अलग बातें सामने रखी हैं। मामला धर्म से जुड़े मतभेदों से शुरू हुआ और अब हिमांशी के उन दावों तक पहुंच गया है, जिनमें उन्होंने सबूत होने की बात कही है। इसी बीच मंगलवार सुबह हिमांशी ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों के बीच एक मैसेज ने लोगों का ध्यान खींच लिया, जिसे उनके हालिया विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है।

हिमांशी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरों से भरा एक पोस्ट शेयर किया। इनमें एक तस्वीर ऐसी भी थी, जिसमें दीवार पर लिखा था, सॉरी, मैं लो मेंटेनेंस वाली नहीं हूं। यानी मैं ऐसे व्यवहार का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं, जिसमें मुझे कम अहमियत दी जाए। हिमांशी ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन में व्हाइट हार्ट वाली इमोजी लगाई। फैंस उनके इस पोस्ट को आसिम रियाज से चल रहे विवाद से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल, यह पूरा मामला तब फिर चर्चा में आया जब हिमांशी ने पारस छाबड़ा के साथ एक पॉडकास्ट में अपने पुराने रिश्ते और धर्म से जुड़े मतभेदों पर बात की। इसके बाद आसिम रियाज ने हिमांशी की बातों पर प्रतिक्रिया दी। आसिम ने कहा, %%मैंने कभी किसी से धर्म बदलने के लिए नहीं कहा। एक बार भी नहीं। बल्कि, मैं ही तुम्हें फिटनेस की ओर लेकर गया था। मुझसे मिलने के बाद ही तुम इस शेप में आई हो, उससे पहले तुम कैसी दिखती थीं, यह सभी जानते थे। इसलिए धर्म को हथियार की तरह इस्तेमाल मत करो।

मेट्रो बाजार

हर 2 में से 1 कर्मचारी नई नौकरी की तलाश में, कार्यबल में जेन-जी की हिस्सेदारी दोगुनी हुई : रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत के प्रोफेशनल सर्विसेज क्षेत्र में जेन जी की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है, लेकिन कर्मचारियों को बनाए रखने का संकट बढ़ रहा है और हर दो में से एक कर्मचारी नई नौकरी की तलाश में है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। %ग्रेट प्लेस टू वर्क% की रिपोर्ट में पाया गया कि करीब हर दो में से एक कर्मचारी सक्रिय रूप से नई नौकरी की तलाश कर रहा है, जबकि चार में से तीन कर्मचारी अगले 12 महीनों के भीतर अपनी मौजूदा कंपनी छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कर्मचारियों द्वारा अपनी औपचारिक रूप से तय जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर काम करने की इच्छा लगातार घट रही है, जबकि कार्यस्थल की बुनियादी स्थितियों में सुधार हो रहा है। कंपनी ने 1.1 लाख से अधिक कर्मचारियों वाले 130 से ज्यादा संगठनों के अध्ययन के बाद कहा, ÷यह गिरावट दर्शाती है कि कर्मचारी कार्यस्थल की भौतिक या बुनियादी सुविधाओं में मामूली सुधार को तो स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन लंबे समय तक कंपनी के प्रति वफादारी और अतिरिक्त प्रयास के लिए जरूरी व्यापक प्रणालीगत और सांस्कृतिक बदलाव उन्हें अभी तक महसूस नहीं हुए हैं। अब जेन जी कुल कार्यबल का 34 प्रतिशत है, जो 2023 में 17 प्रतिशत था। इस पीढ़ी में वेतन, पहचान और पदोन्नति के मानदंडों को लेकर अस्पष्टता के प्रति सहनशीलता कम है और उम्मीदें पूरी नहीं होने पर वे नौकरी छोड़ने में तेजी दिखाते हैं।

वेरानियम क्लाउड और एमडी पर सेबी का बड़ा एक्शन

भ्रामक खुलासों पर 7 साल का प्रतिबंध

मुंबई। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने निवेशकों के धन के दुरुपयोग, वित्तीय आंकड़ों में कथित हेरफेर और भ्रामक खुलासों के मामले में वेरानियम क्लाउड लिमिटेड (वीसीएल) और उसके प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन हनमंत साबले पर कड़ी कार्रवाई की है। नियामक ने दोनों को सात वर्षों के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है।

सेबी की जांच में पाया गया कि कंपनी ने कथित रूप से अपने डेटा सेंटर कारोबार को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया, वित्तीय विवरणों में हेरफेर किया और निवेशकों से जुटाई गई राशि को प्रमोटर समूह से जुड़ी संस्थाओं के लाभ के लिए स्थानांतरित किया। नियामक ने हर्षवर्धन हनमंत साबले को 128.77 करोड़ रुपए के अवैध लाभ को 12 प्रतिशत ब्याज सहित वापस जमा कराने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, कंपनी को निवेशकों से जुटाए गए धन में से कथित तौर पर डायवर्ट किए गए 62.51 करोड़ रुपए की वसूली करने को भी कहा गया है।

सेबी की जांच मुख्य रूप से सितंबर 2022 में आए कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और उसके बाद जारी किए गए राइट्स इश्यू से संबंधित है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 40.39 करोड़ रुपए जुटाए थे और दावा किया था कि इस राशि का उपयोग कंटेनर-आधारित एज डेटा सेंटर और डिजिटल लर्निंग सेंटर स्थापित करने के लिए किया जाएगा। इसके बाद अगले वर्ष कंपनी ने राइट्स इश्यू के माध्यम से 48.45 करोड़ रुपए और जुटाए। सेबी के अनुसार, इस राशि का लगभग 89.83 प्रतिशत हिस्सा प्रमोटर से जुड़ी संस्थाओं की ओर मोड़ दिया गया, जिनमें से 32.73 करोड़ रुपए सीधे हर्षवर्धन साबले के व्यक्तिगत बैंक खाते में स्थानांतरित किए गए। जांच के दौरान सेबी ने कंपनी के डेटा सेंटर संबंधी दावों को भी भ्रामक पाया। वेरानियम क्लाउड ने दावा किया था कि उसने गोवा और सावंतवाड़ी में एज डेटा सेंटर शुरू किए हैं।

शिमला से 13 किमी दूर शोघी, जहां पहाड़ों के बीच मिलता है सुकून...

हिमाचल प्रदेश का शोघी कस्बा अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और शांत वातावरण से पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। शिमला से महज 13 किलोमीटर दूर स्थित यह छोटा-सा हिल स्टेशन भीड़भाड़ से दूर सुकून के पल बिताने के लिए शानदार जगह है। शोघी को 'सिटी ऑफ टेंपल' भी कहा जाता है, क्योंकि यहां कदम-कदम पर प्राचीन और खूबसूरत मंदिर देखने को मिलते हैं। चारों ओर फैले हरे-भरे जंगल, ऊंचे पहाड़ और मनमोहक प्राकृतिक नजारे पर्यटकों को बेहद आकर्षित करते हैं। शांत वातावरण और प्रकृति की गोद में समय बिताने के लिहाज से यह जगह शिमला और मनाली से अलग अनुभव देती है।

होर्मुज से लाल सागर तक तनाव का असर, अनाज और उर्वरक आपूर्ति पर मंडराया खतरा

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को चेताया कहा- संघर्ष रोकें, वरना बढ़ेगा खाद्य संकट

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को चेतावनी दी है कि दुनिया में बढ़ते संघर्ष अब केवल युद्धक्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। भारत ने परिषद से संघर्षों से पैदा हो रहे मानवीय संकट को कम करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि ऊर्जा बाजार, उर्वरक आपूर्ति, समुद्री परिवहन, कृषि व्यापार और मानवीय सहायता में रुकावटें खाद्य संकट को गहरा कर रही हैं। इसका सबसे अधिक असर उन विकासशील देशों पर पड़ रहा है, जो खाद्य आयात पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों या अन्य कदमों से वैध खाद्य एवं कृषि व्यापार और मानवीय सहायता बाधित नहीं होनी चाहिए। भारत ने अपनी खाद्य सुरक्षा योजनाओं और छोटे किसानों को मजबूत बनाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। हरीश ने मोटे अनाज, डिजिटल सार्वजनिक ढांचे और जलवायु-अनुकूल खेती को टिकाऊ खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। वहीं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने यूक्रेन युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर की परिस्थितियों को वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए बड़ा खतरा बताया। उन्होंने उर्वरक और अनाज की सुरक्षित आवाजाही के लिए समुद्री कॉरिडोर तथा जहाजों के पंजीकरण और सत्यापन की व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया।

भारत का मॉडल-मिलेट्स से जलवायु-अनुकूल खेती तक

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश।

अनाज, ऊर्जा निर्यात भी प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेताया कि यूक्रेन युद्ध, होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में तनाव वैश्विक खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर रहा है। यूक्रेन युद्ध से काला सागर के रास्ते अनाज और ऊर्जा निर्यात प्रभावित हुआ है, जबकि होर्मुज से तेल और उर्वरक व्यापार में रुकावटों ने कीमतों और उपलब्धता पर दबाव बढ़ाया है। लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों ने भी आपूर्ति श्रृंखला की चिंता बढ़ाई है। गुटेरेस ने उर्वरक और अनाज की सुरक्षित आवाजाही के लिए विशेष समुद्री कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी एक टास्क फोर्स ने ऐसे जहाजों के पंजीकरण और सत्यापन का ढांचा भी तैयार किया है, जिसके लिए अब राजनीतिक सहयोग जरूरी है।

भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था और टिकाऊ खेती के प्रयासों को भी प्रमुखता से रखा। पी. हरीश ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के जरिए लोगों को सब्सिडी वाले अनाज का कानूनी अधिकार मिला है, जबकि किसानों को सीधे सहायता देने वाली योजनाओं ने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत की है। वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के माध्यम से भारत ने पोषक और जलवायु-अनुकूल फसलों की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। भारत का मानना है कि विविध फसलें, आधुनिक तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक ढांचा और जलवायु के अनुकूल कृषि पद्धतियां भविष्य के खाद्य संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मजबूत घरेलू व्यवस्था के साथ भारत वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी योगदान बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

संघर्षों की कीमत चुकाती दुनिया की रसोई

आज के क्षेत्रीय संघर्षों का असर सीमाओं से कहीं आगे पहुंच रहा है। युद्ध और तनाव के कारण ऊर्जा बाजार, उर्वरक की उपलब्धता, समुद्री व्यापार और कृषि आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने सुरक्षा परिषद में कहा कि खाद्य आयात पर निर्भर विकासशील देश इस स्थिति का सबसे बड़ा खामियाजा भुगत रहे हैं। परिवहन महंगा होने और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। भारत ने कहा कि परिषद की प्राथमिकता संघर्ष से उत्पन्न मानवीय संकट को कम करना और जरूरतमंदों तक सुरक्षित व निर्बाध सहायता पहुंचाना होना चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि प्रतिबंधों और अन्य नीतिगत कदमों का अनजाने में खाद्य व्यापार पर प्रतिकूल असर न पड़े।

केंद्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली में बुलाई बैठक

यह देश कोई 'धर्मशाला' नहीं यहां रहने का अधिकार सिर्फ नागरिकों को है : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने देश को 'बहुत कम समय में' अवैध घुसपैठ से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सरकार ने पिछले आठ महीनों में सीमावर्ती राज्यों से संपर्क किया है और उन्हें सीमा सुरक्षा के लिए 'चौतरफा दृष्टिकोण' वाला अपना दस्तावेज सौंपा है। केंद्र सरकार की इस नीति में सीमा की सुरक्षा के लिए सीमा की रखवाली करने वाले बलों, राज्य और जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और स्थानीय लोगों को मुख्य हिस्सेदार के तौर पर शामिल किया गया है।

वहीं, इंटेलिजेंस ब्यूरो की ओर से आयोजित 'नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी कॉन्फ्रेंस' (एनएसएससी) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने सीमावर्ती राज्यों से करीब 850 अफसरों को संबोधित करते हुए कहा, 'यह देश कोई 'धर्मशाला' नहीं है और यहां रहने का अधिकार सिर्फ नागरिकों को है। एनएसएससी का मकसद अगले 15-20 सालों में सुरक्षा से जुड़े रुझानों और चुनौतियों का अंदाजा लगाना और उनसे निपटने

की रणनीतियां बनाना है। इस पर शाह ने कहा कि चुनौतियों के बड़ा रूप लेने से पहले ही उनकी पहचान करके उन्हें खत्म कर देना चाहिए।

अमित शाह ने कहा, 'ऐसा इकोसिस्टम बनाकर हम एक सुरक्षित, घुसपैठ-मुक्त और नशीले पदार्थों से मुक्त भारत बना पाएंगे।' इस कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और बलों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और खुफिया एजेंसियों के 850 से ज्यादा अधिकारी शामिल हुए। अमित शाह ने राज्य पुलिस बलों, केंद्रीय एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफएस) की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने तीन हॉटस्पॉट जम्मू-कश्मीर, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर से जुड़ी चुनौतियों को खत्म किया है।

अमेरिका के मोंटाना में युवक ने 8 रिश्तेदारों को गोलियों से भूना, मृतकों में 4 बच्चे भी शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी

यूनाइटेड स्टेट्स के मोंटाना राज्य के बिलिंग्स शहर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जो इंसानियत को लेकर सवाल खड़े करती है। यहां एक शख्स ने अपने 8 रिश्तेदारों को जान से मार कर दिया और फिर खुद भी सुसाइड कर ली।

मोंटाना के बिलिंग्स शहर में हुई इस घटना में शख्स ने जिन आठ रिश्तेदारों को मारा, उनमें चार बच्चे भी शामिल थे। आरोपी ने जिन लोगों को मारा, उनमें एक ही परिवार की चार पीढ़ी के लोग

थे। परिवार की तरफ से एक प्रवक्ता ने बताया कि बिलिंग्स में एक घर पर रविवार के डिनर के दौरान यह हादसा हुआ। एक व्यक्ति ने अपने 8 रिश्तेदारों की हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। जेनिफर मर्सर, जिन्होंने अंतिम संस्कार और अन्य खर्चों में मदद के लिए ऑनलाइन फंडरेजर शुरू किया। उन्हें ही इस घटना की जानकारी देने के लिए अधिकृत किया गया था। जेनिफर मर्सर ने बताया कि मारे गए लोग इस मिले-जुले परिवार की चार पीढ़ियों से थे। इनमें 90 के दशक की उम्र वाली परदादी से लेकर 7 साल की बच्ची तक शामिल थी। पुलिस ने बताया कि इन सभी लोगों को रविवार शाम घर पर बुलाया गया था। घर के पूरी तरह आग की लपटों में घिरने से ठीक पहले, आस-पास को लोगों ने घर के पिछले हिस्से से गोली चलने की आवाज सुनी।

हरियाणा में अब प्लॉट के साइज से तय होगा पानी का बिल

चंडीगढ़. एजेंसी। हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में पानी की नई दरों की व्यवस्था लागू होने जा रही है, जिसमें बिल पानी की खपत, मीटर और प्लॉट के आकार के आधार पर तय होगा। मीटरयुक्त घरेलू कनेक्शन पर 10 किलोलीटर तक 3 रुपए, 10 से 20 तक 6 रुपए, 20 से 30 तक 9.50 रुपए और 30 किलोलीटर से अधिक खपत पर 12 रुपए प्रति किलोलीटर शुल्क लगेगा। नई दरों में हर साल 5% बढ़ोतरी प्रस्तावित है। अधिसूचना 18 फरवरी 2027 से लागू होगी।

बुजुर्ग माता-पिता पर अत्याचार करने वाली संतान होगी संपत्ति से बेदखल : योगी

लखनऊ, एजेंसी

यूपी में देखभाल न करने वाले और अत्याचार करने वाले बच्चों को अब वृद्ध माता-पिता अपनी संपत्ति से आसानी से बेदखल कर सकेंगे।

प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मानजनक जीवन और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए 'उत्तर प्रदेश माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण नियमावली-2014' में संशोधन करते हुए नियम 22 में नियम 22-क, 22-ख और 22-ग जोड़ने का निर्णय लिया है।

कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रदेश में केंद्र सरकार का माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 लागू है। इसे प्रदेश में वर्ष 2012 से लागू किया गया था और वर्ष 2014 में इसकी नियमावली जारी की गई थी। विधि आयोग ने विधि आयोग ने नियमावली के नियम 22 में तीन और नियम 22-क, 22-ख और 22-ग बढ़ाने की सिफारिश की थी। कैबिनेट से स्वीकृत नए प्रविधानों के तहत यदि किसी भी वरिष्ठ नागरिक की संतान या उनके अन्य आश्रित रिश्तेदार उनका भरण-पोषण नहीं कर रहे हैं या उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार कर रहे हैं तो पीड़ित बुजुर्ग उन्हें अपनी संपत्ति (स्व अर्जित संपत्ति) से बेदखल कर सकेंगे।

मेट्रो एंकर स्वदेशी एके-203 असॉल्ट राइफल जल्द होगी भारतीय सेना के हवाले

अमेठी से निकला 'शेर', सेना की ताकत बढ़ाने को तैयार

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के कोरवा स्थित संयंत्र में निर्मित स्वदेशी एके-203 असॉल्ट राइफल जल्द भारतीय सेना को सौंपी जाएगी। 'शेर' नाम से तैयार की जा रही यह राइफल देश के रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इसके शामिल होने से सेना की छोटे हथियारों की क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ मेजर जनरल सुधीश कुमार शर्मा ने कहा कि अमेठी के मुंशीगंज में इस आधुनिक राइफल का उत्पादन देश के लिए गर्व का विषय है। कंपनी सेना को तय समय सीमा के भीतर राइफलों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है और अनुबंध के तहत डिलीवरी समय से पहले पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

छह लाख से अधिक 'शेर' बनाने की तैयारी

भारत में ए.च-203 असॉल्ट राइफलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड का गठन किया गया है। इस संयुक्त उद्यम का लक्ष्य देश में छह लाख से अधिक राइफलों का निर्माण करना है। अमेठी के कोरवा स्थित अत्याधुनिक सुविधा में इन राइफलों का उत्पादन किया जा रहा है। भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने उत्पादन कार्यक्रम तैयार किया है, ताकि आपूर्ति निर्धारित समय सीमा के अनुसार की जा सके। रूस की तकनीकी साझेदारी और भारत की विनिर्माण क्षमता का यह मेल रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे देश में रक्षा उत्पादन का आधार मजबूत होने के साथ स्थानीय औद्योगिक विकास और कौशल को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

भारत में एके-203 के उत्पादन का फैसला वर्ष 2019 के आसपास भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय की पहल के तहत लिया गया था। इसके लिए रूस से तकनीक लेकर देश में उत्पादन की व्यवस्था विकसित की गई। कोरवा स्थित निर्माण इकाई का संचालन आईआरआरपीएल कर रही है, जो भारतीय रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और रूस की प्रमुख रक्षा कंपनियों का संयुक्त उद्यम है। देश में बड़े पैमाने पर आधुनिक राइफलों का उत्पादन भारतीय सेना की जरूरतों को पूरा करने के साथ रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निर्माण क्षमता को भी नई मजबूती देगा।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने किया पर्दाफाश

कूरियर से कनाडा भेजी जा रही थी अफीम, बदले में मिल रहे थे हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग स्मगलिंग और हथियार तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि भारत से कूरियर के जरिए कनाडा अफीम भेजी जा रही थी और इसके बदले में खालिस्तानी आतंकी गतिविधियों के लिए हथियार मंगाए जा रहे थे।

यह पूरा नेक्सस नामित खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह गिल उर्फ अर्श डाला द्वारा चलाया जा रहा था, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) का प्रमुख है। विशेष पुलिस आयुक्त (क्राइम) एचजीएस धालीवाल ने बताया कि इस रैकेट का मकसद केटीएफ की आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग और हथियार जुटाना था। पुलिस ने महीने भर चले इस ऑपरेशन में गिरोह के चार सदस्यों—सिमरनजीत सिंह, हरदीप सिंह, यादविंदर सिंह उर्फ जशन संधू और जीवन सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कुल 5.8 किलोग्राम से अधिक अफीम बरामद की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524